संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025
RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 55 गुरूवार 26 दिसम्बर 2024 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

भूकंप के झटकों से दहले रोहतक और आसपास के जिले

रोहतक,25 दिसम्बर 2024(ए)। हरियाणा के रोहतक और उसके आसपास के जिलों में बुधवार को दोपहर करीब 12:28 बजे भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए, जिससे लोग दहशत में अपने घरों और दफ्तरों से बाहर निकल आए। ये झटके करीब पांच सेकंड तक जारी रहे,और लोग एक-दूसरे को सचेत करते हुए सड़कों पर आ गए। रोहतक के सेक्टर-4 समेत अन्य इलाकों में लोग पार्कों और खुली जगहों पर इकट्ठा हो गए, ताकि सुरक्षित रह सकें। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि कई घरों और इमारतों में रखे सामान भी हिलते हुए दिखाई दिए। हालांकि, भूकंप के केंद्र और इसकी तीव्रता की अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है।

प्लेन क्रैश का वीडियो आया सामने

विमान में 50 से ज्यादा लोग थे सवार

नई दिल्ली,25 दिसम्बर 2024(ए)। कजाकिस्तान के अकातू एयरपोर्ट के पास अजरबैजान एयरलाइंस का एक प्लेन क्रैश कर गया है। इसमें 67 यात्री और 5 क्रू मेंबर थे. रूसी समाचार एजेंसियों ने इस हादसे का खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कजाकिस्तान इमरजेंसी मिनिस्ट्री ने बताया कि अजरबैजान का विमान बाकू से ग्रोन्जी के लिए जा रहा था । ग्रोन्जी रूस के चेचन्या इलाके में आते हैं. लेकिन कोहरे की वजह से प्लेन को ग्रोन्जी की तरफ घुमाया गया। टेंगरीन्यूज पोर्टल ने भी हादसे की पुष्टि की है। कुछ ट्विटर हैंडल पर ये भी कहा जा रहा है कि उसमें 105 यात्री थे। जिसमें से ज्यादातर अजरबैजानी और रूसी नागरिक थे।

हमारे खिलाफ हो रहा है षड़यंत्र:केजरीवाल

» केजरीवाल का दावा... गिरफ्तार किया जा सकता है आतिशी को...

» मुझ पर भी होगी रेड...

नई दिल्ली,25 दिसम्बर 2024 (ए)। अरविंद केजरीवाल ने कहा हमें 3-4 दिन पहले सूत्रों से पता चला है कि ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स की मीटिंग हुई है। ऊपर से आदेश आया है कि कुछ भी फर्जी केस करके आतिशी को गिरफ्तार किया जाए।

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संजोयक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली में चुनाव से पहले आशंका जाहिर की है कि मुख्यमंत्री आतिशी को गिरफ्तार किया जा सकता है। केजरीवाल ने बुधवार को आतिशी, मनीष सिसोदिया और संजय सिंह के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए दावा किया कि एक बार फिर उनके खिलाफ भी रेड होगी। केजरीवाल ने आशंका जाहिर की कि ट्रांसपोर्ट विभाग के एक केस के तहत ऐसा किया जा सकता है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि उन्हें सूत्रों से ऐसी जानकारी मिली है। पूर्व सीएम ने कहा, 'हमें 3-4 दिन पहले अपने सूत्रों से पता चला है कि ईडी, सीबीआई और इनकम टैक्स की मीटिंग हुई है। उस मीटिंग में ऊपर से आदेश आए हैं कि कुछ भी फर्जी केस करके आतिशी को गिरफ्तार किया जाए। मैं पूरी जिम्मेदारी से आरोप लगा रहा हूं कि इन तीनों एजेंसियों से कहा गया है कि कुछ भी फर्जी केस करके आतिशी को गिरफ्तार किया जाए।'

महिला सम्मान योजना और संजीवनी पर दी ये सफाई

आतिशी ने महिला एवं बाल कल्याण विभाग और स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी नोटिस को गलत बताया है, जिनमें जनता से अपील की गई है कि वे इन योजनाओं के नाम पर अपने दस्तावेज किसी से साझा ना करें। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा, 'जो नोटिस आज अखबारों में जारी हुए वे पूरी तरह गलत हैं। कुछ अफसरों पर भाजपा ने दबाव बनाकर गलत सूचना अखबार में छपवाई है। इन अफसरों पर पुलिस कार्रवाई भी की जाएगी। सूचना निकाली गई कि महिला सम्मान जैसी योजना नहीं, जबकि दिल्ली सरकार की कैबिनेट का नोटिफिकेशन है। 1000 की स्कीम नोटिफाई हो चुकी है। अफसरों पर सख्त कार्रवाई होगी, पुलिस कार्रवाई भी होगी। आम आदमी पार्टी की घोषणा है कि सरकार बनने के बाद संजीवनी योजना लाई जाएगी। सरकार बनने के बाद 1000 की स्कीम को 2100 किया जाएगा।' वहीं, पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'जाहिर तौर पर यह चुनावी घोषणा है, जनता को भरोसा है, जनता रजिस्टर कर रही है। जो लोग रजिस्टर कर रहे हैं, उन्हें चुनाव के बाद फायदा दिलाएंगे। यह हमारा, आम आदमी पार्टी का चुनावी वादा है तो आम आदमी पार्टी रजिस्टर कर रही है।'

चुनावी तैयारियों से रोकने के लिए षड्यंत्र

आप सुप्रीमो ने कहा कि चुनावी तैयारियों से रोकने के लिए उनके खिलाफ, मनीष सिसोदिया,संजय सिंह,आतिशी,सौरभ भारद्वाज के खिलाफ छापेमारी की जाएगी। केजरीवाल ने कहा, 'ऐसा भी सूत्रों से पता चला है कि ट्रांसपोर्ट विभाग में कोई फर्जी केस तैयार किया जा रहा है। इनका मकसद है कि महिलाओं की फ्री यात्रा बंद कराना चाहते हैं। ट्रांसपोर्ट विभाग में फर्जी केस तैयार किया जा रहा है। हमें यकीन है कि लोग गंदी साजिशों का जवाब देंगे। देश की जनता इस तरह की राजनीति पसंद नहीं करती।'

मुझे न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा : आतिशी

आतिशी ने कहा, 'हमें पुख्ता खबर मिली है कि ट्रांसपोर्ट विभाग के एक फर्जी केस के माध्यम से दिल्ली में महिलाओं की फ्री यात्रा बंद करने के लिए मेरे ऊपर फर्जी केस का प्रयास किया जा रहा है। हमने हमेशा ईमानदारी से काम किया है और करेंगे। मुझे विश्वास है कि यदि एजेंसियां मुझे गिरफ्तार करती हैं, आखिरकार सच्चाई सामने आएगी। मुझे देश की न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। जिस तरह सीनियर नेताओं को फर्जी केस में गिरफ्तार किया गया और फिर सबको बेल मिली। मुझे संविधान और न्याय व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। आप हम पर झूठे केस करके दिल्लीवालों की सुविधाएं रोकना चाहते हैं, दिल्ली की जनता सब देख रही है।'

दिल्ली में फिर लौटी सलमान रुश्दी की प्रतिबंधित किताब

» सलमान रुश्दी की किताब 36 साल भारत में लौटी

» किताब पर राजीव गांधी सरकार ने लगाया था प्रतिबंध

» किताब दिल्ली में बहरीसन्स बुकसेलर्स के पास उपलब्ध

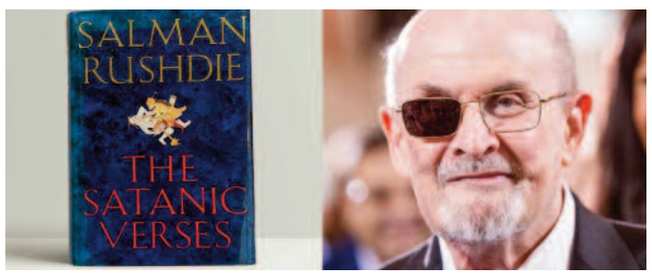

नई दिल्ली,25 दिसम्बर 2024 (ए)। सलमान रुश्दी की विवादास्पद किताब द सैटेनिक वर्सेस 36 साल बाद भारत में वापस आ गई है। राजीव गांधी सरकार ने इस किताब पर प्रतिबंध लगाया था। मुस्लिम संगठनों ने इस किताब पर ऐतराज जताया था। इस किताब की कीमत 1,999 रुपये है। यह किताब दिल्ली-एनसीआर के बहरीसन्स बुकसेलर्स स्टोर्स में ही उपलब्ध है।

दिल्ली हाई कोर्ट ने किताब के आयात पर प्रतिबंध को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई बंद कर दी थी। दरअसल सरकार उस अधिसूचना को पेश नहीं कर सकी जिसके आधार पर प्रतिबंध लगाया गया था। इस किताब पर प्रतिबंध के बाद ईरानी नेता रुहोल्लाह खोमेनी ने रुश्दी की हत्या का फतवा जारी किया था। रुश्दी को लगभग 10 साल तक छिपकर रहना पड़ा था। 2022 में कट्टरपंथी हादी मटर ने रुश्दी पर हमला किया था। इस हमले में रुश्दी की एक आंख की रोशनी चली गई थी। बहरीसन्स में किताब की बिक्री पर लोगों की मिली-जुली प्रतिक्रिया रही है। कई लोगों को किताब की कीमत ज्यादा लग रही है।दुनिया भर के मुस्लिम संगठनों ने इस किताब को ईशनिंदा मानते हुए विरोध किया था। दिल्ली में बहरीसन्स बुकसेलर्स की मालकिन रजनी मल्होत्रा ने बताया कि किताब की बिक्री अच्छी चल रही है। 1,999 रुपये की यह किताब सिर्फ दिल्ली-एनसीआर के बहरीसन्स स्टोर्स में ही मिल रही है। बहरीसन्स बुकसेलर्स ने एक्स पर पोस्ट किया, सलमान रश्दी की द सैटेनिक वर्सेस अब बहरीसन्स बुकसेलर्स में उपलब्ध है! अपनी कल्पनाशील कहानी और साहसिक विषयों के साथ, इस अभूतपूर्व और उत्तेजक उपन्यास ने दशकों से पाठकों को मोहित किया है। यह अपने प्रकाशन के बाद से ही तीव्र वैश्विक विवाद का केंद्र भी रहा है, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, आस्था और कला पर बहस छिड़ गई है।

पांच राज्यों के राज्यपाल बदले

पूर्व सेना प्रमुख वीके सिंह होंगे मिजोरम के नए गवर्नर

नई दिल्ली,25 दिसम्बर 2024 (ए)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पांच राज्यों के राज्यपाल बदल दिए। इसमें पूर्व गृह सचिव अजय कुमार भल्ला को मणिपुर का राज्यपाल बनाया गया है, जबकि पूर्व सेना प्रमुख जनरल (डॉ) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त) को मिजोरम का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, आरिफ मोहम्मद खान को बिहार और राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर को केरल का राज्यपाल बनाया गया है।

राष्ट्रपति ने ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। उनकी जगह मिजोरम के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है। राष्ट्रपति कार्यालय की आधिकारिक प्रेस नोट में कहा गया, भारत के राष्ट्रपति ने ओडिशा के राज्यपाल के रूप में रघुवर दास का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। उनकी जगह मिजोरम के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति को ओडिशा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है।

जनरल (डॉ) विजय कुमार सिंह (सेवानिवृत्त): मिजोरम के राज्यपाल होंगे।

राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर: वर्तमान में बिहार के राज्यपाल, अब केरल के राज्यपाल होंगे।

आरिफ मोहम्मद खान: वर्तमान में केरल के राज्यपाल, अब बिहार के राज्यपाल नियुक्त किए गए।

अजय कुमार भल्ला: मणिपुर के राज्यपाल बनाए गए।

हरि बाबू: पहले मिजोरम के गवर्नर, अब ओडिशा के नए राज्यपाल नियुक्त किए गए।

करौली में बस की टक्कर से कार के उड़े परखच्चे

» एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

करौली, 25 दिसम्बर 2024 (ए)। राजस्थान के करौली जिले में मंगलवार रात को एक बड़ा सड़क हादसा हो गया। यहां एक निजी बस और कार के बीच जबरदस्त टक्कर हुई है। हादसे में कार सवार 5 लोगों की मौत हो गई है जबकि बस में सवार 15 यात्री भी जख्मी हुए हैं जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायलों की हालत नाजुक

हादसा इतना गंभीर था कि कार और बस के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार सवार एक ही परिवार के 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। नीलाभ सक्सेना, बृजेश ज्योति उपाध्याय और गुमनाराम तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने कार और बस में फंसे लोगो को निकलवाकर जिला अस्पताल पहुंचाया। घायलों में कुछ की हालत नाजुक बताई जा रही है।मृतकों पति, पत्नी, बेटा-बेटी और एक महिला रिश्तेदार शामिल है। मृतकों की कार में मिले आधार कार्ड से सभी की शिनाख्त हुई है।

मृतकों के नाम-
नयन कुमार देशमुख
अनीता (पत्नी)
मनस्वी (बेटी)
खुशदेव (बेटा)
प्रीती भट्ट (रिश्तेदार)

क्रिसमस पर पंडित धीरेंद्र शास्त्री का विवादास्पद बयान

हर ईसाई हिंदू ही है

भोपाल, 25 दिसम्बर 2024 (ए)। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री अक्सर अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं ऐसे में क्रिसमस डे से एक दिन पहले पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री एक बार फिर अपने बयान को लेकर चर्चा में हैं। क्रिसमस डे से एक दिन पहले बाबा ने ईसाईयों को लेकर बड़ा बयान दिया है। बाबा ने कहा कि इस देश में रहने वाले प्रत्येक ईसाई हिन्दू है क्योंकि यह देश हिंदुस्तान हे और मुसलमान और ईसाई की आठवीं और नवमी पीढ़ी हिंदू है. बाबा ने कहा कि ईसाई की आठवीं और नवमी पीढ़ी रामलाल और श्यामलाल हैं। सभी सनातनी हैं कोई पराया नहीं है, हम हिंदू राष्ट्र बनाकर ही मानेंगे, आपको अपनी बहन बेटियों को सुरक्षित रखना होगा तो हिंदू राष्ट्र बनाना होगा।

शिवपुरी के करैरा में हो रही कथा में बागेश्वर धाम के प्रमुख पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने बड़ा बयान दिया था। कथा में उन्होंने हिंदुओं को चार बच्चे पैदा करने की सलाह दी थी, जिसके बाद उनका यह बयान चर्चा में आ गया था। बाबा ने इस तरह के बयान देने का कारण भी बताया था. भागवत के दौरान बाबा ने कहा था,'देश में हिंदुओं की संख्या कम हो रही है,यह चिंताजनक है, घटती हुई हिंदुओं की आबादी और गजवा ए हिंद चाहने वाले लोगों की बढ़ती हुई आबादी इस देश के लिए घातक है। ऐसे में हिंदुओं को एक बच्चे की जगह चार बच्चे पैदा करना जरूरी है. क्योंकि यह देश के लिए जरूरी है।'

बताई थी ये वजह

बाबा ने कहा था कि तीन से लेकर चार बच्चे होना इस वजह से जरूरी है,क्योंकि इससे परिवारों का विखंडन हो रहा है। कम बच्चे होने की वजह से आज रिश्ते खत्म होते जा रहे हैं,एक दो बच्चे होने में कौन चाचा कहेगा, कौन मामा कहेगा और कौन काका कहेगा, यह सब खत्म होता जा रहा है। कम बच्चे होने से रिश्तो का सुख खत्म होता जा रहा है।

कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग का छात्र बना साइबर अपराधी,गिरफ्तार

मोतिहारी,25 दिसम्बर 2024 (ए)। बिहार में इन दिनों साइबर अपराध की घटनाओं में वृद्धि देखी जा रही है। पुलिस हालांकि साइबर अपराध की घटनाओं पर अंकुश लगाने को लेकर लगातार प्रयास में जुटी है। इस बीच, बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के छतौनी थाना क्षेत्र से कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग के एक छात्र को साइबर फ्रॉड के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

देश की बड़ी नदी परियोजनाओं के पीछे बाबासाहेब का विजन

खजुराहो,25 दिसम्बर 2024 (ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मध्य प्रदेश के खजुराहो में केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने देश की बड़ी नदी परियोजनाओं का श्रेय डॉ. भीमराव अंबेडकर को देते हुए कहा आजादी के बाद की जल घाटी परियोजनाओं के पीछे उन्हीं का विजन था।

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड की तस्वीर और तकदीर बदलने वाली केन-बेतवा लिंक परियोजना के शिलान्यास के मौके पर प्रधानमंत्री ने राज्य को कई अन्य सौगातें भी दीं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मोदी ने अटल बिहारी वाजपेयी पर एक डाक टिकट और एक स्मारक सिक्का भी जारी किया जिनकी आज 100 वीं जयंती है।

पीएम मोदी ने विपक्षी दल कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि जहां उसकी सरकार है वहां सुशासन हो ही नहीं सकता। इसे बुंदेलखंड के लोगों ने भी वर्षों तक भुगता है। पीढ़ी दर पीढ़ी यहां के किसान, माता-बहनों ने बूंद बूंद पानी के लिए संघर्ष किया है। ऐसा इसलिए क्योंकि कांग्रेस ने जल संकट के स्थाई समाधान के बारे में सोचा ही नहीं, इसको समझा ही नहीं।

उन्होंने कहा कि आजादी के बाद जल संरक्षण का क्रेडिट एक ही व्यक्ति को देने के नशे में सच्चे सेवक को भुला दिया गया। देश की जल शक्ति, जल संसाधन, पानी के लिए बांधों के निर्माण का किसी एक महापुरुष को क्रेडिट जाता है तो वह डॉ. भीमराव अंबेडकर हैं। जल घाटी परियोजनाओं के पीछे उन्हीं का विजन था। आज जो केंद्रीय जल आयोग है इसके पीछे भी बाबासाहेब के ही प्रयास थे। कांग्रेस ने कभी जल संरक्षण से जुड़े प्रयासों के लिए, बड़े बांधों के लिए बाबासाहेब को श्रेय नहीं दिया।प्रधानमंत्री मोदी ने अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को प्रेरणादायी बताते हुए कहा कि यह पर्व सुशासन की, सुसेवा की हमारी प्रेरणा का भी पर्व है। मध्य प्रदेश में 1,100 अटल ग्राम सुशासन भवन का भूमि पूजन किया गया है। सुशासन भाजपा सरकार की पहचान है। उन्होंने कहा कि देश में जितनी सरकारें हैं उनका मूल्यांकन होना चाहिए।

शुभेंदु अधिकारी बांग्लादेशी आतंकी संगठन के निशाने पर

खुफिया एजेंसियों ने जारी किया अलर्ट

कोलकाता,25 दिसम्बर 2024 (ए)। केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने पश्चिम बंगाल सरकार को विधानसभा में विपक्ष के नेता (एलओपी) शुभेंदु अधिकारी पर संभावित आतंकी हमले के बारे में सचेत किया है।

यह हमला बांग्लादेश स्थित कट्टरपंथी संगठन के सहयोगियों द्वारा किया जा सकता है, जो पड़ोसी देश के साथ लगती सीमा के जरिए भारतीय क्षेत्र में पहले ही प्रवेश कर चुके हैं।

सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों की ओर से राज्य सचिवालय को भेजी गई दो सूचनाओं में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि विपक्ष के नेता

दो बांग्लादेशी कट्टरपंथी संगठनों जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) और हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) के निशाने पर हैं।

सूत्रों ने बताया कि खुफिया रिपोर्टों में यह भी दावा किया गया है कि विपक्ष के नेता को उन कई सार्वजनिक कार्यक्रमों में निशाना बनाया जा सकता है, जिनमें वह रोजाना भाग ले रहे हैं। इन कार्यक्रमों में वह बांग्लादेश में हाल के संकट, खासकर वहां अल्पसंख्यकों और हिंदू धार्मिक प्रतिष्ठानों पर हमले के बारे में लगातार मुखर रहे हैं।

इस संबंध में खतरे की आशंका पहले से ही थी, जिसके मद्देनजर केंद्र सरकार ने पिछले महीने अधिकारी की सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया था।

इस साल नवंबर तक अधिकारी को केवल पश्चिम बंगाल राज्य में ही ÷जेड÷ श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त थी। हालांकि केंद्रीय खुफिया रिपोर्ट में खतरे की आंशका को देखते हुए अब से विपक्ष के नेता को भारत में जहां भी वे यात्रा करेंगे, वही सुरक्षा प्रदान की जाएगी।

संपादकीय

2047 तक विकसित भारत की दृष्टि साकार हो सके

कम-से-कम 1990 के बाद से रिजर्व बैंक की कमान पेशेवर गवर्नरों के हाथ में रही। कई बार सरकारों ने तब भी उसके दायरे में घुसपैठ की, फिर भी मोटे तौर पर रिजर्व बैंक अपनी स्वायत्तता जताने में सफल रहता था। अब ये कहानी बदल गई है। संजय मल्होत्रा लगातार दूसरे नौकरशाह हैं, जिन्हें भारतीय रिजर्व बैंक का गवर्नर बनाया गया है। उनकी नियुक्ति के एलान के संकेत मिल गया था कि केंद्र सरकार भविष्य में आरबीआई से कैसी भूमिका की अपेक्षा रखती है।मल्होत्रा ने इस प्रतिष्ठित संस्था का कमान संभालने के तुरंत बाद जो कहा, उससे यह भी जाहिर हो गया है नए गवर्नर किस रूप में अपनी भूमिका देखते हैं।मल्होत्रा ने कहा-अब जबकि हम अमृत काल में प्रवेश कर रहे हैं, हमारी अर्थव्यवस्था जिस हाल में है, उसे और विसित होने की जरूरत है, ताकि 2047 तक विकसित भारत की दृष्टि साकार हो सके।' लाजिमी है कि ऐसे वक्तव्य आर्थिक से ज्यादा राजनीतिक रंग लिए दिखें।सेंट्रल बैंकों (जिसे भारत में रिजर्व बैंक कहा जाता है) की क्या भूमिका होना चाहिए, इस पर सोच अक्सर टकराती रही है।मजबूत सरकारें अक्सर उसे अपने एक विभाग के रूप में काम करते देखना चाहती हैं, जबकि बाजार और अर्थव्यवस्था में हित रखने वाले अनेक दूसरे तबकों की अपेक्षा यह होती है कि ये संस्था पेशेवर नजरिए से काम करे।लोकतांत्रिक देशों में सरकारों की अपनी सियासी एवं चुनावी प्राथमिकताएं होती हैं, जो कई बार अर्थव्यवस्था की बड़ी जरूरतों के खिलाफ चली जाती हैं।उस समय सेंट्रल बैंकों से उम्मीद रहती है कि वे शासक दल की जरूरत के मुताबिक चलने के बजाय अर्थव्यवस्था के बुनियादी तकाजों को प्राथमिकता देंगे।कम-से-कम 1990 के बाद से भारत में रिजर्व बैंक की कमान पेशेवर गवर्नरों के हाथ में रही और उन्होंने अपेक्षाकृत स्वायत्त ढंग से फैसले लिए।कई मामलों में सरकारों ने तब भी इस दायरे में घुसपैठ की, फिर भी मोटे तौर पर रिजर्व बैंक अपनी स्वायत्तता जताने में सफल रहता था। इस कारण तब टकराव भी उभरते थे।मगर नरेंद्र मोदी सरकार के सत्ता में आने और शक्तिकांत दास के गवर्नर बनने के बाद से कहानी बदल गई है।

वीर बाल दिवस पर आज विशेष आलेख

वीर बाल दिवस' शहादत की स्मृति

हेमेन्द्र क्षीरसागर,
बालाघाट, मध्यप्रदेश

9 जनवरी 2022 को गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह घोषणा की थी कि, 26 दिसंबर को श्री गुरु गोबिंद सिंह के पुत्रों साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत की स्मृति और सम्मान में राष्ट्रीय 'वीर बाल दिवस' मनाया जाएगा। उल्लेखनीय रहे मुगल शासनकाल के दौरान पंजाब में सिखों के 10 वें गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंह के चार बेटे थे। गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना की। धार्मिक उत्पीड़न से लोगों की रक्षा करने के उद्देश्य से इसकी स्थापना की गई थी। श्री गुरु गोबिंद सिंह चार बेटे- अजीत, जुझार, जोरावर और फतेह, सभी खालसा का हिस्सा थे। उन चारों को 19 वर्ष की आयु से पहले मुगल सेना द्वारा मार डाला गया था। गुरु गोबिंद सिंह के छोटे बच्चों ने हिंदु धर्म और अपने आस्था की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए थे। बलिदान हिंदु धर्म के लिए सदा-सर्वदा स्मरणीय रहेगा।

स्तुत्य, यह उनके शौर्य, साहस और बलिदान की गाथा को याद करने का भी 'वीर बाल दिवस' यह जानने का भी अवसर है। कि कैसे उनकी निर्मम शहीदी हुई और धर्म रक्षा, त्याग, समर्पण कैसा रहा? साहिबजादे जोरावर सिंह (9) और फतेह सिंह (7) सिख धर्म के सबसे सम्मानित शहीदों में से हैं। सम्राट औरंगज़ेब के आदेश पर मुगल सैनिकों द्वारा आनंदपुर साहिब को घेर लिया गया। इस घटना में श्री गुरु गोबिंद सिंह के दो पुत्रों को पकड़ लिया गया। मुसलमान बनने पर उन्हें यातना और मारने की पेशकश की गई थी। इस पेशकश को उन दोनों ने ठुकरा दिया जिस कारण उन्हें मौत की सज़ा दी गई और उन्हें जिंदा ईंटों की दीवार में चुनवा दिया गया। बाबा अजीत सिंह (17 वर्ष) और बाबा जुझार सिंह (13 साल) साका चमकौर साहिब में लड़ते, हंसते शहीद हुए थे। इन शहीदों ने धर्म के महान सिद्धांतों से विचलित होने के बजाय मृत्यु को प्राथमिकता दी। शहीदी से ही धर्म, आस्था का यशोगान है।

प्रार्दुभाव, श्री गुरु गोबिंद सिंह साहिब जी के सबसे छोटे पुत्र, साहिबजादा बाबा जोरावर सिंह जी और साहिबजादा बाबा फतेह सिंह जी का जन्म आनंदपुर साहिब में हुआ था। चमकौर की लड़ाई के दिन, बाबा ज़ोरावर सिंह, बाबा फ़तेह सिंह और उनकी दादी को मोरिंडा के अधिकारियों जानी खान और मनी खान रंगहर ने हिरासत में ले लिया। अगले दिन उन्हें सरहिंद भेज दिया गया जहाँ उन्हें किले के ठंडे बुर्ज (ठंडा बुर्ज) में रखा गया। फिर बाबा ज़ोरावर सिंह और बाबा फ़तेह सिंह को फ़ौजदार नवाब वज़ीर खान के सामने पेश किया गया। फिर उसने उन्हें मौत की धमकी दी, लेकिन वे बेखौफ़ रहे। अंत में मौत की सज़ा सुनाई गई। वीरगति, उन्हें दीवार में जिंदा चुनवा देने का आदेश दिया गया। जैसे ही उनके कोमल शरीर के चारों ओर की चिनाई छाती की ऊंचाई तक पहुंची, वह ढह गई। साहिबजादों को रात के लिए फिर से ठंडे टॉवर में भेज दिया गया। 26 दिसंबर 1705 को बाबा ज़ोरावर सिंह और बाबा फ़तेह सिंह को दीवार में जिंदा चुनवाकर शहीद कर दिया गया। सरहिंद के पुराने शहर के पास स्थित इस भाग्यशाली घटना स्थल को अब फतेहगढ़ साहिब नाम दिया गया है, जहाँ अब पावन चार सिख तीर्थस्थल हैं। अलौकिक शहीदी, धर्म, न्याय, देश और मानव कल्याण, प्रेरणास्पद और अनुकरणीय है। शत-शत नमन!

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

स्त्रियों के आर्थिक विकास से जुड़ी राष्ट्र के विकास की राहें

संजीव ठाकुर,
रायपुर छत्तीसगढ़

महिलाओं का समग्र विकास अपरिहार्य

निश्चित तौर पर हर रात की सुबह होती है भारत में महिलाओं की मुक्ति का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ गया है। स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी है। आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही है। आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम है। वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर है। विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही है। अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही है। यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है ,परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया था महिलाओं को घर की चारदीवारी में क्या होना पड़ा थाद्य इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी योग्यता,ऊर्जा,शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएंद्य भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों

महिलाएं हैं जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही हैद्य इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन,मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च,विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी ,एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैंद्य सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका मैं इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25 प्रतिशत से भी कम हो गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60 प्रतिशत महिलाएं ही हैं। महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन परिस्थितियों में महिलाओं द्वारा दिए गए सामाजिक आर्थिक विकास के योगदान को पहचानते हुए सरकार ने मातृत्व लाभ अधिनियम 2016 तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के माध्यम से अनुकूल वातावरण तथा महिलाओं को मातृत्व अवकाश देने के कई अच्छे प्रावधान भी उपलब्ध कराए हैं। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड अपने आंकड़ों से स्पष्ट करता है की किस प्रकार महिलाओं की श्रमबल में अधिक भागीदारी जीडीपी में अप्रत्याशित वृद्धि करता है। पूरा विश्व इस बात से सहमत है की महिलाएं कोमल है पर कमजोर नहीं एवं शक्ति का नाम ही नारी है। हिंदुस्तान के विकास में सही मायने में यदि 50 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की हो तो असाधारण क्षमता की धनी महिलाएं इस देश को विश्व के अन्य विकसित देशों में खड़ा कर सकती हैं, जरूरत इनकी शक्ति क्षमता एवं योग्यता को पहचानने की है। 21वीं सदी में विश्व शक्ति रूप भारत के सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक विकास में महिलाओं का सर्वांगीण विकास को आधार बनाकर आर्थिक महाशक्ति के स्वप्न को साकार किया जा सकता है।

कविता
धर्म को खतरा

घटती-घटना
प्रीति शर्मा असीम
नालागढ़ हिमाचलप्रदेश

धर्म के नाम पर... क्यों अधर्मी हो जाता है।
मेरे भारत में रहने वाला....हर धर्म
क्यों बात -बात पर खतरें में हो जाता है।
धर्म के नाम पर... क्यों अधर्मी हो जाता है।
लहू का रंग जिन्हें नज़र नहीं आता है।
कट्टरता के नाम पर जो
कहीं गोली तो कहीं पत्थर चलवाता है।
क्यों उन्हें इन्सानियत में,
एक रब नहीं नज़र आता है।
धर्म के नाम पर... क्यों अधर्मी हो जाता है।
देश -देश धर्मों की आग में जलता है।
कहीं बम कही मिसाइल गिर जाता है।
यह कौन से धर्म है।
जो नफरतों से एक -दूसरे को काट खाता है।
इन्सानियत को भूल कर धर्मों में बंट जाता है।
बात-बात पर मरने-मारने को तैयार हो जाता है।
आज़ाद भारत में गुलाम सोच से क्यों निकल नहीं पाता है।
धर्म के नाम पर...क्यों अधर्मी हो जाता है।
क्यों बात -बात पर हर धर्म खतरें में हो जाता है।

कविता
चाय की वो टपरी

घटती-घटना
अमित पाठक शाकद्वीपी
रायपुर, छत्तीसगढ़

सर्द हवा ने जब जब भी है,
ली अपनी अंगड़ाई,
सर्दी की सुबह छुट्टी के पल में,
हमने टोली बनाई।
निकल पड़े हम चार दोस्त,
सुबह सबेरे सड़कों पर,
चाय की टपरी रही केंद्र बिंदु ,
उन दिनों हम लड़कों पर।
गर्म गर्म सी चाय की प्याली,
हम सबने उठा ली,
दोस्ती की मिशाल सी कुल्हड़,
फिर होठों से लगा ली।
स्वाद स्वाद में जी गए,
लम्हें कई सुहाने,
दिन वो वाकई स्वर्णिम से थे,
कोई माने या न माने।
अब वो लम्हा खो गया है,
छूट गई सब मस्ती,
आदतें जब से महंगी हो गई,
संबंध रह गई सस्ती।
मौके पर भी मिलना मुश्किल,
व्यस्त हो गया जीवन,
फिर भी उन लम्हों में देखो,
अटका रहता है मन।

तोड़ मरोड़कर की राजनीति भाजपा ने सिखाया

कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां भाजपा से निपटने के लिए उसी के हथियार आजमा रही है। अब तक भाजपा इन्फॉर्मेशन, मिसइन्फॉर्मेशन और डिसइन्फॉर्मेशन कैंपेन के जरिए राहुल गांधी और दूसरे विपक्षी नेताओं का शिकार करती थी। याद करें कैसे आलू से सोना बनाने वाली बात का राहुल गांधी के खिलाफ इस्तेमाल हुआ। राहुल गांधी ने असल में कहा था कि मोदीजी आएंगे तो कहेंगे कि इधर से आलू डालो उधर से सोना निकलेगा' ।लेकिन इसका आधा हिस्सा काट दिया गया और प्रचारित किया गया कि राहुल गांधी आलू से सोना बनाने की बात कर रहे हैं। आजतक इसके लिए राहुल का मजाक बनाया जाता है। कई मंच से भाजपा के सर्वोच्च नेताओं ने इसका जिक्र किया, जबकि वे जानते थे कि यह गलत बात है। ऐसे ही याद करें कैसे अमित शाह ने भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच अखिलेश यादव के अपने पिता को थप्पड़ मारने की बात के झूठे प्रचार के बारे में बताया था।सबसे ताजा मामला यह है कि पिछले दिनों अमेरिका यात्रा के दौरान राहुल गांधी से जब पूछा गया कि भारत में आरक्षण कब खत्म होगा तो उन्होंने कहा था कि भारत में जब असमानता खत्म हो जाएगी और आरक्षण की जरुरत नहीं रह जाएगी तब आरक्षण खत्म हो जाएगा। इतनी समझदारी भरी बात का भाजपा ने बड़ा राजनीतिक मुद्दा बना दिया। भाजपा ने राहुल गांधी को आरक्षण विरोधी होने की बात पर चुनाव में प्रचार किया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद राहुल गांधी को इस बयान के आधार पर आरक्षण विरोधी ठहराया। कांग्रेस के नेता सफाई देते रहे और दावा करते रहे कि राहुल के बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किया जा रहा है, लेकिन भाजपा ने अपने प्रचार तंत्र के दम पर बाजी मार ली। लेकिन अब कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों ने भाजपा को उसी की दवा का स्वाद चखा दिया है।यह संभवत- पहली बार हो रहा है कि भाजपा के नंबर दो नेता अमित शाह को कहना पड़ रहा है कि उनके बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उनके भाषण के 10-12 सेकेंड का अंश काट कर उसे गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी सफाई में छह छह ट्विट करने पड़े। भाजपा का पूरा प्रचार तंत्र यह साबित करने में लगा है कि अमित शाह ने डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के बारे में कोई अपशब्द नहीं कहा है या कोई अपमानजनक बात नहीं कही है। यह सही भी है कि अमित शाह ने अंबेडकर के लिए कुछ भी अपमानजनक नहीं कहा है फिर भी वह घिरी है। यह गलत नैरेटिव बनाने का मामला है। लेकिन क्या भाजपा स्वीकार करेगी कि उसने आलू से सोना बनाने की बात का जो अभियान राहुल गांधी के खिलाफ चलाया या उनके बयान का गलत अर्थ निकाल कर उनको आरक्षण विरोधी बताने का जो प्रचार लोगों के बीच किया गया वह गलत है? जाहिर है भाजपा इसे स्वीकार नहीं करेगी। अभी वह घिरी है तो कांग्रेस पर मिसइन्फॉर्मेशन फैलाने के आरोप लगा रही है लेकिन हकीकत यह है कि इसकी शुरुआत तो भाजपा ने ही की। बातों को तोड़ मरोड़कर कैसे उसका राजनीति इस्तेमाल किया जाता है यह भाजपा ने बाकी सभी पार्टियों को सिखाया है। आज उसी की सीख उस पर भारी पड़ गई है।

-हरिशंकर व्यास-

उस्ताद जाकिर हुसैन अपने प्रशंसकों को आह भरता छोड़ गए

उस्ताद जाकिर हुसैन को भारतीय शास्त्रीय संगीत का सुपरस्टॉर कहना गलत न होगा। साधक तो वे तबला के थे, जिसे मुख्यत- संगत वाद्य ही माना गया है, लेकिन उनकी लोकप्रियता सब पर भारी थी।वे भारतीय शास्त्रीय संगीत के संभवत- सर्वाधिक पारिश्रमिक लेने वाले कलाकार थे, उनके कार्यक्रमों के लिए आयोजकों को लंबा इंतजार करना होता था, उनका आकर्षण ऐसा था कि फिल्मों और विज्ञापनों में भी उन्हें लिया जाता रहा। वे विश्व में भारत के सांस्कृतिक राजदूत भी थे और प्रख्यात सितार वादक पंडित रविशंकर के बाद वे ही थे जिन्होंने विभिन्न देशों में भारतीय संगीत को लोकप्रिय बनाया और एक बड़ा प्रशंसक वर्ग तैयार किया। ग्रैमी' जैसे प्रतिष्ठित अवार्ड में भी उन्होंने भारतीयता का परचम लहराया, लेकिन लोकप्रियता के शिखर पर होने और अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद उनके काम में कहीं समझौता नहीं था। वास्तव में उनमें नाम और काम का संतुलन कुछ वैसा ही था जैसा उनके तबले में बाएं और दाएं का। उनकी उपस्थिति जहां समारोहों की सफलता का पर्याय थी, वहीं उनकी संगत से मुख्य कलाकार का कार्यक्रम भी निखर उठता था। लंबे समय की सफलता उनकी विनम्रता को बदल नहीं सकी थी। हंसमुख, हाजिर जवाब और हरदिल अजीज उस्ताद जाकिर हुसैन अपने व्यक्तित्व में भी कृतित्व जैसी खूबसूरती जीवनपर्यंत कायम रख सके। तबले को मुख्यत- संगत का वाद्य ही माना गया है, लेकिन उस्ताद जाकिर हुसैन उन कुछ तबला वादकों में थे जिन्होंने इसे एकल और मुख्य वाद्य के रूप में भी स्थापित किया। वे जब लोकप्रिय होने लगे तो पिता के साथ उनकी जुगलबंदी का चलन खूब था। पिता-पुत्र का तबला वादन खूब पसंद किया जाता था। उस्ताद जाकिर हुसैन के एकल वादन की खास बात यह भी होती कि उन्होंने अपने वादन को शास्त्रीय संगीत के मर्मज्ञों के योग्य ही नहीं बनाया बल्कि इसे आम लोगों के लिए भी रुचिकर बना दिया था। जिस प्रकार प्रख्यात कथक नर्तक पंडित बिरजू महाराज अपनी तिहाइयों को दर्शकों को समझाने के लिए तरह-तरह की

कथा-प्रसंगों का सहारा लेते थे, कभी चिडियों का उदाहरण देते तो कभी बच्चों के गेंद खेलने का, उस्ताद जाकिर हुसैन भी तबले पर कभी डमरू, कभी मंदिर की घंटी, कभी रेल तो कभी घोड़े की टाप का वादन करते हुए आम लोगों में भी अपनी गहरी पैठ बना लेते थे।शास्त्र को लोकप्रिय मुहावरे में इस प्रकार ढाल लेने का कौशल उन्हें खूब आता था, लेकिन ऐसा नहीं था कि वे एकल वादन के ही उस्ताद थे। एकल वादन के साथ ही उनकी संगत की भी खूब मांग और धूम थी। वे जब संगत करते तो कार्यक्रमों का एक नया ही रंग बन जाता। पहले प्रख्यात सितार वादक पंडित रविशंकर के साथ और फिर प्रख्यात बांसुरी वादक पंडित हरिप्रसाद चौरसिया, प्रख्यात संतूर वादक पंडित शिवकुमार शर्मा, प्रख्यात कथक नर्तक पंडित बिरजू महाराज जैसे कलाकारों के साथ उन्होंने खूब कार्यक्रम किए। शिव-हरि के साथ उनकी संगत खूब फबती थी जिसके कई वीडियो आज भी यू-ट्यूब पर देखे जा सकते हैं। हालांकि उन्होंने हर प्रमुख कलाकार के साथ संगत की, शास्त्रीय संगीत से लेकर सुगम और फिल्म संगीत तक, वरिष्ठ एवं प्रख्यात कलाकार से लेकर युवा और उभरते कलाकारों तक, उन्होंने सबके साथ बजाया। लोकप्रिय पार्श्व गायक हरिहरन के साथ गजलों के अलबम में उनकी उपस्थिति साफ नजर आती है। उस्ताद जाकिर हुसैन ने संगत को लेकर अपने दृष्टिकोण से जुड़ा एक बड़ा जरूरी किस्सा एक बार लखनऊ में बताया था। उन्होंने बताया था कि मैं 17 साल का था और पंडित रविशंकर जी के साथ यात्रा पर था। एक कार्यक्रम हुए, दूसरा कार्यक्रम हुआ, मैंने रविशंकर जी से पूछा कि कैसा हो रहा है? रविशंकर जी ने कहा कि तुम मेरे साथ तबला बजाते हो लेकिन मुझे देखते क्यों नहीं? उसके बाद शाम को जब कार्यक्रम हुआ तो उस्ताद जाकिर हुसैन पंडित रविशंकर की ओर थोड़ा और घूमकर बैठ गए। उस दिन संगत की एक नई किताब खुल गई। वह पंडित जी को देखकर बजाने लगे और उन्हें समझ में आने लगा कि संगत कैसे करनी है। वह कहते थे कि जब आपकी तालीम होती है तो आपकी एकल वादन की तालीम होती है। आप सीखी हुई चीजें बजा देंगे और आपकी प्रशंसा हो जाएगी, लेकिन जब तक संगत करना नहीं आएगा तब तक आप तबलिए नहीं बन सकते।वह यह भी कहते थे कि सभी रंग का तबला आपके तबले में समाहित नहीं है तो आप एक अच्छे संगतकार नहीं बन सकते। सिर्फ दिल्ली का बजाकर, सिर्फ बनारस का बजाकर, सिर्फ पंजाब का बजाकर आप अच्छे संगतकार नहीं बन सकते। हालांकि उस्ताद जाकिर हुसैन कभी भी संगत में हावी होने की कोशिश नहीं करते थे, अपनी लोकप्रियता का दंभ नहीं दिखाते थे, वे मुख्य कलाकार की जरूरत और सोच के अनुसार ही तबला वादन करते थे लेकिन कई बार ऐसा भी होता था कि उनकी लोकप्रियता पूरे कार्यक्रम में हावी हो जाती थी। ऐसे में यह भी हुआ कि कई कलाकार उनकी लोकप्रियता से आक्रांत होने लगे, उनसे परहेज करने लगे। उस्ताद जाकिर हुसैन भारतीय संगीत के सांस्कृतिक राजदूत भी थे। ज्यादातर प्रसिद्ध कलाकार विदेश में कार्यक्रम करते हैं, कई-कई महीने वहां गुजारते हैं, लेकिन प्रख्यात सितार वादक पंडित रविशंकर के बाद उस्ताद जाकिर हुसैन ही थे जिन्हें विश्व के संगीतप्रेमियों ने सिर-आंखों पर बिठाया। वे लंबे समय से अमेरिका में ही रहते थे। विभिन्न देशों के संगीत के साथ उनके कार्यक्रम भी खूब होते थे।इन सबके बावजूद वे भारत में भी लगातार सक्रिय रहते थे। अपने सुदर्शन व्यक्तित्व के कारण उन्हें फिल्मों में अभिनय करने का आमंतण्रमिला था। विज्ञापन में तो वे बहुत पहले ही आ चुके थे। उनके समकालीन मानते थे कि उनकी लोकप्रियता में बड़ा योगदान विज्ञापनों का भी रहा है, जिसके कारण वह घर-घर में पहचाने जाने लगे थे। वाह उस्ताद उनके नाम से जुड़ गया था, लेकिन अचानक वे अपने प्रशंसकों को आह भरता छोड़ गए।

-आलोक पराड़कर-

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

C M Y K

दुनिया के कई देशों में परिस्थितियां ईश्वरीय सोंच के नहीं है अनुकूल : फादर अंतोनिस बड़ा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

प्रभु येशु के जन्म क्रिसमस के शुभ अवसर पर अंबिकापुर के नवापारा स्थित महा गिरजाघर में विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई। रात्रि 10 बजे से धार्मिक अनुष्ठान प्रारंभ हुई जो देर रात तक चली। रात्रि 12 बजे बालक येशु के जन्म के साथ ही चर्च के घंटे बजे और आतिशबाजी शुरू हो गई।

चरनी आशीष के साथ धार्मिक अनुष्ठान की शुरुवात हुई। बिशप डॉ. अंतोनीस बड़ा की अगुवाई में फादर जार्ज ग्रे कुजूर व फादर कल्याण के साथ समस्त धार्मिक अनुष्ठान मिस्सा पूजा सम्पन्न हुई।

इस अवसर पर समुदाय को संबोधित करते हुए अपने संदेश में बिशप डॉ. अंतोनिस बड़ा ने कहा कि पाप के फल से मनुष्य की मुक्ति प्रभु येशु के मानव अवतार का पहला मकसद था, येशु के आगमन को दो हजार वर्षों से ज्यादा समय बीत चुका है लेकिन आज भी दुनिया के कई देशों में परिस्थितियां ईश्वरीय सोंच के अनुकूल नहीं हैं। विश्व के कई क्षेत्रों में हिंसा, घृणा युद्ध और तानाशाही का बोलबाला है। कार्यक्रम के अंतिम चरण में परम प्रसाद का वितरण व बालक येशु का चुंबन किया गया। कार्यक्रम के दौरान लुंड्रा विधायक प्रबोध मिंज, महापौर डा. अजय तिर्की, विनोद कुजूर रजिस्ट्रार जनरल हाईकोर्ट बिलासपुर,भानु प्रताप डीन बिलासपुर, अजय अरुण मिंज, जगजीत, रविन्द्र तिग्गा, बीरेंद्र टोप्पो, राजेन्द्र तिग्गा, सुमन एक्का, भानु, राजेश टोप्पो, फादर विमल, फादर सुशील, फादर पीटर, सिस्टर क्लारा, उर्सुलाइन, संत अन्ना, मिशनरीज आफ चैरिटी सिस्टर्स व बड़ी संख्या में मसीही समाज के लोग मौजूद थे।

बाईबिल पाठ का आयोजन

इस दौरान समाज के लोगों ने बाईबिल के पवित्र पाठ का वाचन कर येशु के संदेशों को दिया। पहला पाठ का वाचन प्लासिडियूस टोप्पो इंदिरा नगर व राजकिरण खलखो ने दूसरे पाठ का वाचन किया। रात्रि प्रार्थना सभा के दौरान फा. अनुरंजन व फो. जॉन की अगुवाई में युवा संघ के युवक-युवतिओं द्वारा अनुष्ठान के बीच-बीच में भक्तिमय गीतों का आयोजन किया गया। महागिरजाघर में प्रार्थना के बाद मसीही समाज के लोगों में एक-दूसरे को क्रिसमस की बधाई देने का दौर शुरु हो गया। सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगों ने एक-दूसरे को शुभकामना संदेश भेजे। वहीं घर-घर जाकर मिष्ठान का लुत्फ उठाया। म्यूजिक सिस्टम की धुन पर भी लोग देर रात तक थिरकते रहे।

बांकी डैम में अज्ञात लाश मिलने से फैली सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

» लालमाटी ग्राम पंचायत के बांकी डैम के किनारे तैरती मिली सड़ी-गली हालत में लाश

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

लालमाटी ग्राम पंचायत के गंझाडाड स्थित बांकी डैम में अज्ञात लाश मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।

मछली पकड़ने गए ग्रामीणों ने डैम के किनारे तैरती लाश देखी और तुरंत पुलिस को सूचित किया। लाश पूरी तरह से सड़ी-गली अवस्था में पाई गई, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो गया है।

घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है, और फिलहाल पुलिस लाश की पहचान करने में जुटी है। अगर पहचान नहीं हो पाती है, तो पुलिस कानूनी प्रक्रिया पूरी कर अंतिम संस्कार की तैयारी कर रही है।

पुलिस जांच जारी

पुलिस ने लाश के आसपास के इलाके में छानबीन शुरू कर दी है और इस मामले की हर एंगल से जांच की जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों से पूछताछ के साथ ही अन्य संभावित गवाहों की तलाश जारी है।

यह पहली बार नहीं है जब बांकी डैम क्षेत्र में ऐसी घटना हुई हो। पुलिस ने ग्रामीणों से आग्रह किया है कि अगर किसी को इस संदर्भ में कोई जानकारी हो,तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें।

जनरल स्टोर में आग से सारा सामान जलकर हुआ खाक

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

शहर के अग्रसेन वार्ड स्थित जनरल स्टोर में आगजनी की घटना सामने आई है। दुकान संचालक ने किसी अज्ञात व्यक्ति पर रोशनदान के माध्यम से लुकवारी फेंककर आग लगाने की आशंका व्यक्त की है। आगजनी से लगभग दो लाख से ऊपर का नुकसान हुआ है।

जानकारी के अनुसार प्रकाश चंद्र पांडेय शहर के अग्रसेन वार्ड का रहने वाला है। अस्तबल के पास इसका मां सरवेश्वरी नाम से जनरल दुकान है। बुधवार की सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले कुछ लोगों ने देखा की दुकान के अंदर से धुआं निकल रहा है। लोगों ने इसकी जानकारी दुकान संचालक को उसके घर जाकर दी। सूचना पर दुकान संचालक मौके पर पहुंचकर दुकान का शटर खोलकर देखा तो सामरा सामान जलकर खाक हो चुका था। दुकान संचालक प्रकाश चंद्र पांडेय ने संभावना व्यक्त किया है कि किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा दुकान के छज्जे के ऊपर चढ़कर रोशन दान से लुकवारी फेंककर आग लगाई है। आगजनी में सारा सामान जलकर खाक हो गया है। आगजनी से लगभग 2 लाख से ऊपर का नुकसान हुआ है।

सैनेटरी पार्क में होगा अटल परिसर का निर्माण, किया गया भूमि पूजन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती के अवसर पर निर्मित होने वाली अटल परिसर का भूमिपूजन किया गया। नगर पालिक निगम अंबिकापुर क्षेत्र में 50 लाख की लागत से अटल परिसर के निर्माण कार्य का भूमि पूजन अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल द्वारा किया गया।

शहर के बिलासपुर रोड स्थित स्वच्छता चेतना उद्यान (सैनिटरी पार्क) में अटल परिसर का निर्माण किया जाएगा। इस कार्यक्रम में आयुक्त नगर निगम, पार्षद आलोक दुबे, विकाश वर्मा, हरमिंदर सिंह टिन्नी, मंजूषा भगत एवं जन प्रतिनिधिगण सहित अन्य नागरिक उपस्थित थे।

शराब के नशे में पत्नी ने पति की हत्या कर हुई फरार

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार की रात शराब पीने के दौरान हुए विवाद में पत्नी ने टांगी से हमलाकर पति को मौत के घाट उतार दिया। घटना को अंजाम देने के बाद वह फरार हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मैनपाट के कमलेश्वरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत नर्मदापुर के खालपारा निवासी बलिराम माझी 28 वर्ष अपनी पत्नी नइहरो बाई 26 वर्ष के साथ रहता था। शादी के 5 साल बीत जाने के बाद भी दोनों के कोई संतान नहीं थे। इस बात को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता रहता था। दोनों एक-दूसरे को कसूरवार ठहराते थे। मंगलवार की रात दोनों घर में बैठकर शराब पी रहे थे। इसी दौरान दोनों के बीच संतान नहीं होने को लेकर फिर विवाद हो गया। इसी बीच नशे में पत्नी ने घर में रखी कुल्हाड़ी से पति के सिर व कनपटी पर ताबड़तोड़ प्रहार कर दिया। इससे पति लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा और उसकी मौत हो गई।हत्या करने के बाद पत्नी वहां से फरार हो गई। इधर सुबह गांव में ही रहने वाला मृतक का रिश्तेदार युवक वहां पहुंचा तो देखा कि बलिराम का शव खून से लथपथ जमीन पर पड़ा है। वहीं उसकी पत्नी घर से गायब है। फिर उसने इसकी सूचना कमलेश्वरपुर थाने में दी। घर में ग्रामीण की लाश पड़े होने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरु की। पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए अस्पताल भिजवाया। रिश्तेदार की रिपोर्ट पर पुलिस ने पत्नी के खिलाफ अपराध दर्ज कर उसकी खोजबीन शुरु कर दी है।

बैल के हमले से गंभीर ग्रामीण की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 25 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

बैल के हमले में एक ग्रामीण गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार हिरालाल पिता भंडारी उम्र 42 वर्ष कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम देवगढ़ का रहने वाला था। वह 18 दिसंबर को मवेशी चराने गया था। तभी एक बैल ने उसपर हमला कर दिया था। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल ग्रामीण की मौत

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक वृद्ध गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया था। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार रामकेश्वर रजवार उम्र 65 वर्ष दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम तत्कालो का रहने वाला था। वह 24 दिसंबर की शाम 6.30 बजे ग्राम खाला से पैदल घर लौट रहा था। तभी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। दुर्घटना में वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। यहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

देश-विदेश में सरगुजा की पहचान बना चुकी है भित्ति चित्रकला : अजय चतुर्वेदी

» रामगढ़ के जोगीमाड़ा गुफा में मौर्य कालीन भित्तिचित्र हैं...
» राज्य स्तरीय शोध संगोष्ठी में सरगुजा अंचल के भित्ति चित्र कला की प्रस्तुति

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय रायपुर के सभागार में 21 से 23 दिसंबर तक प्राचीन छत्तीसगढ़ में कला और वास्तु कला विषय पर राज्य स्तरीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त आयोजन डॉ. भुवन विक्रम क्षेत्रीय निदेशक भोपाल भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की विशिष्ट अतिथि एवं संचालक पुरातत्व पर्यटन संस्कृति विभाग के संचालक विवेक आचार्य की अध्यक्षता में किया गया।

सूरजपुर जिले के जिला पुरातत्व के सदस्य राज्यपाल पुरस्कृत व्याख्याता अजय कुमार चतुर्वेदी ने सरगुजा अंचल के शैलचित्र एव भित्ति चित्र कला के संबंध में विस्तार से व्याख्यान दिया। सरगुजा अंचल में अनेक प्राचीन शैल चित्रों और भित्ति चित्र देखने को मिलते हैं। कुछ शैल चित्रों

और भित्ति चित्र शासन की नजर में हैं। किन्तु कुछ आज भी अज्ञात स्थिति में संरक्षण की बाट जोह रहे हैं। रामगढ़ के जोगीमाड़ा गुफा के मौर्य कालीन भित्तिचित्र ऐतिहासिक काल की भारतीय चित्रकला के प्राचीनतम उदाहरण हैं। अजय चतुर्वेदी ने अपने शोध पत्र में सरगुजा अंचल के भित्तिचित्रों, शैलचित्रों, शिला लेख एवं दीवालों पर बनाए गये रजवार भित्ति चित्र कला पर विस्तार से प्रकाश डाला। जिसमें जोगी माड़ा गुफा के भित्तिचित्र (सरगुजा जिला), ढ़ोढ़ा गाव सीतापुर के भित्तिचित्र (सरगुजा जिला),जोगी माड़ा गुफा के भित्तिचित्र (सूरजपुर जिला) ,सीतालेखनी पहाड़ के भित्तिचित्र(सूरजपुर जिला), कुदरगढ़ के भित्तिचित्र (सूरजपुर जिला) कठौता पहाड,नवाधक्की के भित्तिचित्र (सूरजपुर जिला), बच्छराज कुंवर के भित्ति चित्र (बलरामपुर जिला) और दीवालों पर बनाए गये रजवार भित्तिचित्र के बारे में विस्तार से अवगत कराया। भित्ति चित्र कला की कुशल कला शिल्पी शिल्प गुरू सोनाबाई की भित्ति चित्रकला देश-विदेश में सरगुजा की पहचान बना चुकी है। दीवालों पर बनाए गये भित्ति चित्र काफी आकर्षक लगते हैं। यह कला रजवार जाति की पारंपतिक भित्ति चित्र कला है।राज्य स्तरीय शोध संगोष्ठी में छत्तीसगढ़ व विभिन्न राज्यों से आए 64 शोध सारांश आये जिसमें से संगोष्ठी के मूल विषय और उपविषयों पर केंद्रित 44 आलेखों का वाचन किया गया।

अटल के जन्मदिन पर सौ मांझी परिवार के वृद्धजनों को कम्बल व फल का वितरण

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

मैनपाट पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को पूरा देश सुशासन दिवस के तौर पर मना रहा है। इस अवसर पर मैनपाट में भी कई आयोजन किये गए। मैनपाट विकासखण्ड मुख्यालय नर्मदापुर में पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के अवसर पर उनकी छाया चित्र पर माल्यार्पण कर पुण्य स्मरण किया गया। इस अवसर पर भाजपा नेता अनिल सिंह ने कहा कि अटल जी देश को मजबूत करने में अमूल्य योगदान दिया है। उनका नेतृत्व, दूरदृष्टि और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी नीतियों और विचारों ने भारत को एक नई दिशा दी। अनिल सिंह ने कहा कि अटल जी के मूल्यों को आत्मसात कर हम सभी राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। इस अवसर पर नर्मदापुर में चौक में 100 मांझी परिवारों के वृद्धजनों को कम्बल व फल वितरण किया गया। इस अवसर पर सेंट्रल बैंक मैनेजर दीपक सिंह सहित महावीर गुप्ता, रामवतार अग्रवाल, गोपाल यादव, महेंद्र गुप्ता, मोहित नामदेव, नरेश अग्रवाल, सोनू अग्रवाल, दया यादव, सुमित गुप्ता, मनोज अग्रवाल, सतेंद्र ठाकुर, धनन्जय सिंह, नीरज यादव, लालजीवन रवि व मांझी परिवारो के वृद्धजन उपस्थित रहें।

C M Y K

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से सुनीता विलियम्स ने दी क्रिसमस की बधाई,वीडियो जारी कर दिया संदेश

वाशिंगटन,25 दिसम्बर 2024। भारतीय मूल की नासा की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और उनके दल ने अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से धरती पर सभी को क्रिसमस के मौके पर बधाई दी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी ने एक्स पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें विलियम्स और उनके साथी यात्री सांता क्लॉज की टोपी पहने हुए नजर आ रहे हैं। सुनीता विलियम्स इस बार क्रिसमस अपने दल के साथ अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर मना रही हैं। उन्होंने वीडियो में बताया कि वह अपने परिवार और दोस्तों से दूर होते हुए भी इस खास दिन को मना रही हैं। वीडियो में विलियम्स के साथ उनके छह और साथी अंतरिक्ष यात्री भी नजर आए, जो एक छोटे से क्रिसमस ट्री के पास खड़े थे।

स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल से भेजे गए तोहफे

इस वीडियो में एक अन्य अंतरिक्ष यात्री ने बताया कि इस बार क्रिसमस पर उनके पास बहुत सारा खाना भेजा गया था। इसके अलावा, एक स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल ने अंतरिक्ष स्टेशन पर कई जरूरी आपूर्ति भेजी और क्रिसम के तोहफ भी भेजे थे। विलियम्स और अंतरिक्ष यात्री बैरी विल्मोर ने इस साल जून में अपनी बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष वाहन से यात्रा की शुरुआत की थी, जो आठ दिन का मिशन था। इस यात्रा के दौरान उन्हें अंतरिक्ष से धरती पर अपने परिवार और दोस्तों से जुड़े रहने का मौका मिला।

अजरबैजान एयरलाइंस का यात्री विमान कैसे हुआ दुर्घटनाग्रस्त ? सामने आई चौंकाने वाली वजह

अक्तौ,25 दिसम्बर 2024। कजाखस्तान के अक्तौ शहर में एक विमान दुर्घटना में 30 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। जबकि 32 से ज्यादा लोग घायल हो गए। विमान अजरबैजान एययलाइंस का था, बाकू से ग्रोज्नी (रूस) जा रहा था। विमान में कुल 62 यात्री और पांच चालक दल के सदस्य थे। प्रारंभिक रिपोर्ट्स के मुताबिक, विमान से पक्षियों के झुंड के टकराने (बर्ड स्ट्राइक) के कारण पायलट को आपातकालीन लैंडिंग का फैसला लेना पड़ा। इसी कोशिश के दौरान यह हादसा हुआ। समाचार एजेंसी इंटरफैक्स के मुताबिक, विमान के कंट्रोल सिस्टम और बेक-अप सिस्टम के फेल होने के बाद पायलट ने आपातकालीन लैंडिंग का फैसला किया। विमान से एक पक्षियों का झुंड टकराया, जिसके बाद पायलट ने अक्तऊ हवाई अड्डे पर विमान की आपातकालीन लैंडिंग की कोशिश की। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने भी रूस के विमानन वॉचडॉग की प्रारंभिक जानकारी के हवाले से कहा कि पायलट ने पक्षियों के टकराने के बाद लैंडिंग का फैसला किया।

अजरबैजान एयरलाइंस ने जारी किया बयान

इस बीच, अजरबैजान एयरलाइंस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर एक बयान जारी किया। जिसमें उसने कहा, एम्ब्रेयर 190 विमान (बाकू-ग्रोज्नी मार्ग पर उड़ान संख्या जे2-8243) को अक्तौ शहर से करीब तीन किलोमीटर दूर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। घटना के बारे में ज्यादा जानकारी लोगों के साथ साझा की जाएगी।

विमान हादसे पर रूसी परिवहन एजेंसी ने क्या कहा

रूसी संघीय वायु परिवहन एजेंसी रोसावियात्सिया ने अक्तौ में विमान हादसे को लेकर बयान जारी किया। बयान में कहा गया, आज करीब 9.30 बजे (मॉस्को के समयानुसार) अजरबैजान के अजाल एयरलाइंस का एम्ब्रेयर 190 विमान कजाखस्तान के अक्तौ हवाई अड्डे पर लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान बाकू से ग्रोज्नी जा रहा था। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार विमान एक पक्षियों के झुंड से टकराने के बाद आपातकालीन स्थिति में था, जिसके कारण पायलट ने वैकल्पिक हवाई अड्डे पर लैंडिंग का फैसला लिया। अक्तौ को वैकल्पिक हवाई अड्डे के रूप में चुना गया था। कजाखस्तान की आपातकालीन सेवाओं द्वारा राहत और बचाव कार्य चलाए जा रहे हैं। रोसावियात्सिया अजाल, अतरबैजान और कजाखस्तान के विमानन अधिकारियों से संपर्क में है।

दुर्घटना के बाद स्थिति काफी भयावह थी। विमान तेजी से अक्तौ हवाई अड्डे से तीन किलोमीटर दूर जमीन पर टकराया। जैसे ही विमान जमीन से टकराया, उसमें आग लग गई। जिसके बाद कुछ समय तक विमान जलता रहा। कजाखस्तान के आपातकालीन सेवा के कर्मियों ने कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिनमें विमान को तेजी से गिरते हुए देखा जा सकता है। कजाखस्तान के परिवहन मंत्रालय ने बताया कि विमान में 37 यात्री अजरबैजान, 6 कजाखस्तान, 3 किर्गिस्तान, 16 रूस से थे।

बचाव और राहत कार्य जारी, 22 लोग अस्पताल में भर्ती

कजाखस्तान के आपातकालीन मंत्रालय के मुताबिक, विमान दुर्घटना के बाद 32 जीवित बच गए और जिनमें से 22 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिसमें एक 11 साल की लड़की और 16 साल का लड़का भी शामिल है। राहत और बचाव कार्य जारी है और स्थानीय आपातकालीन सेवाएं मदद में जुटी हैं। एक वीडियो में कुछ जीवित बचे लोगों को मलबे से निकालते हुए दिखाया गया है।

जिसमें एक बुजुर्ग आदमी खून से सना हुआ दिखाई दे रहा है और एक लड़की मलबे के पास खड़ी है।

पाकिस्तान सरकार के सामने इमरान खान ने रखी नई मांग, वार्ता टीम से मिलने की मांगी इजाजात

इस्लामाबाद, 25 दिसम्बर 2024। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पाकिस्तान सरकार के साथ बातचीत कर रही अपनी वार्ता टीम से मुलाकात की मांग की है। उनका कहना है कि इससे बातचीत की प्रक्रिया सार्थक होगी। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक 72 वर्षीय खान ने अपनी पार्टी की मांगें भी रखी हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार सहमत हो जाती है तो वह पहले घोषित सविनय अवज्ञा आंदोलन को स्थगित कर देंगे।

इमरान खान ने पीटीआई गठबंधन के सहयोगी सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के अध्यक्ष साहिबजादा मोहम्मद हामिद रजा को अपनी पार्टी की वार्ता समिति का प्रवक्ता बनाया है। नेशनल असेंबली के सदस्य रजा मानवाधिकारों पर नेशनल असेंबली की स्थायी समिति के अध्यक्ष भी हैं।

इमरान खान ने यह घोषणा मंगलवार को रावलपिंडी की अदियाला जेल में अपने वकीलों की

टीम के साथ हुई बैठक के दौरान की। खान ने उस बैठक के बाद एक्स पर लिखा कि, पार्टी की वार्ता समिति के प्रयास अच्छी बात है। वार्ता प्रक्रिया को सार्थक बनाने के लिए, यह महत्वपूर्ण है कि मैं अपनी नामित वार्ता टीम से मिलूं ताकि मुझे मुद्दों की उचित समझ हो सके। इससे पहले सोमवार को पाकिस्तान सरकार और इमरान खान की पार्टी ने अपनी पहली बैठक में खान की जेल से रिहाई समेत कई विवादास्पद मुद्दों को सुलझाने के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई थी।

इससे पहले सोमवार को शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान सरकार द्वारा इमरान खान की पीटीआई के साथ औपचारिक बातचीत शुरू करने के लिए एक वार्ता समिति बनाने की बात कही थी। रजा को पीटीआई की वार्ता प्रक्रिया के प्रवक्ता के रूप में नामित करने के बाद, खान ने सरकार के साथ वार्ता की सफलता के लिए अपनी पार्टी की मांगों को भी आगे बढ़ाया है। इनमें उनकी पार्टी के सभी विचाराधीन राजनीतिक कैदियों की रिहाई और इस साल 9 मई, 2023 और 26 नवंबर की घटनाओं की जांच के लिए एक न्यायिक आयोग का गठन शामिल है।

मानव तस्करों पर पुलिस की कार्रवाई,4 नाबालिग लड़कियों को छुड़ाया...ले जा रहे थे बनारस

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

सरगुजा जिले में मानव तस्करी का गंदा धंधा रुकने का नाम नहीं ले रहा है. सरगुजा जिले के उदयपुर पुलिस ने चार नाबालिग लड़कियों को मानव तस्कर के चुंगल से छुड़ाया है। सरगुजा जिले में मानव तस्करी का गंदा धंधा रुकने का नाम नहीं ले रहा है। सरगुजा जिले के उदयपुर पुलिस ने चार नाबालिग लड़कियों को मानव तस्कर के चुंगल से छुड़ाया है। पुलिस ने मानव तस्करी में लिप्त होने की आशंका में एक व्यक्ति को हिरासत में लेकर पूछताछ करना शुरू कर दिया है।

मानव तस्करों पर पुलिस ने की कार्रवाई

तस्कर नाबालिग लड़कियों को बनारस ले जाने की फिराक में था, तभी पुलिस ने मुखबिर की सुचना में आरोपी को नाबालिग लड़कियों के साथ धर दबोचा. सबसे बड़ी बात तो यह है कि सरगुजा जिले में पिछले 5 साल के भीतर गायब हुई करीब साढे 300 से अधिक लड़कियों और महिलाओं के बारे में पुलिस को अब तक सुराग तक नहीं लगा है।

4 नाबालिग लड़कियों को छुड़ाया,ले जा रहे थे बनारस

सरगुजा जिले के उदयपुर थाना इलाके के सानीबर्रा गांव की चार नाबालिग लड़कियों और दो नाबालिक लड़कों को मानव तस्कर के द्वारा ले जाए जाने की तैयारी थी उन्हें उनके घर से परिजनों की जानकारी के बिना एक ऑटो में बैठकर गांव से उदयपुर लाया जा रहा था और उदयपुर से बस के माध्यम से उन्हें बनारस ले जाया जाता लेकिन इससे पहले ही उदयपुर पुलिस को मुखबिर से मानव तस्करी की जानकारी मिली और पुलिस अलर्ट हुई इसके बाद उदयपुर पहुंचने से पहले ही ऑटो में बैठी नाबालिक लड़कियों और संदीप युवक से पुलिस ने पूछताछ करना शुरू कर दिया नाबालिक लड़कियों के द्वारा बताया गया कि उन्हें काम दिलाने का झांसा देकर ले जाया जा रहा था वहीं परिवार वालों को इसकी कोई जानकारी नहीं थी सबसे बड़ी बात तो यह है की नाबालिक लड़कियां विशेष पिछड़ी जनजाति से तालुकात रखती है और बड़े स्तर पर सरगुजा में आदिवासी लड़कियों का इसी तरीके से तस्करी किया जा रहा है। वहीं पकड़े गए आरोपी ने पुलिस को बताया है कि वह नाबालिक लड़कियों को ईट भटठे में काम करने के लिए उत्तर प्रदेश लेकर जा रहा था।

काम का झांसा देकर ले जाते है तस्कर

लड़कियों को झांसा दिया गया था कि उन्हें अंबिकापुर में ले जाकर काम कराया जाएगा लेकिन मानव तस्करी करने वाले लोगों को साथ देने वाले गांव के लोगों का कहना है कि वे भी उत्तर प्रदेश के ईट भटठो में काम करते हैं और उन्हें उत्तर प्रदेश के अंबेडकर नगर में ले जाने की तैयारी थी, सरगुजा जिले की कई लड़कियों और नाबालिग लड़कों को ईट भटठो में ले जाकर बंधक बनाकर काम करने की घटनाएं भी सामने आ चुकी है।

सरगुजा में बड़ी संख्या में लड़के-लड़कियां हुई गायब

जानकारों की मानें तो सरगुजा जिले से पिछले 5 साल में 500 लड़कियां गायब हुई,इसमें से 14 लड़कियों को पुलिस अब तक नहीं खोज पाई है तो 5 साल के भीतर सरगुजा से 85 लड़के गायब हुए. जिसमें से आठ का अब तक पता नहीं चला है. वहीं सरगुजा जिले से 1102 महिलाएं गायब हुई इसमें से 333 महिलाओं का अब तक सुराग नहीं लगा है। वहीं 486 पुरुष गायब हुए जिसमें से 127 का पता नहीं चल सका है।

मानव तस्करी पर लगातार कार्रवाई जारी:अमोलक

सरगुजा जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अमोलक सिंह का कहना है कि मानव तस्करी के खिलाफ पुलिस के द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की टीम पहुंचकर लोगों को इसके खिलाफ जागरूक भी कर रही है कि झांसे में आकर नाबालिक बच्चों को बाहर न भेजें, इसके लिए पुलिस स्कूलों में पहुंच कर भी बच्चों को जागरुक कर रही है लेकिन सबसे बड़ी समस्या है कि आदिवासी इलाकों में बच्चे अभी पूरी पढ़ाई नहीं कर रहे हैं और स्कूल छोड़ दे रहे हैं इसके बाद वे दलालों के झांसे में आकर महानगरों में जाकर बिक रहे हैं। सबसे बड़ी बात है कि विशेष पिछली जनजाति के लोगों के बीच शिक्षा का अभाव है और गरीबी इतनी ज्यादा है कि वे तस्करो के झांसे में आ जा रहे हैं यही वजह है कि सरगुजा जिले के पंडो और पहाड़ी कोरवा युवक युवतियों की तस्करी हो रही है लेकिन इसे अब तक नहीं रोका जा सका है जो समाज के लिए किसी कलंक से कम नहीं।

''मोड़ के बाद'' पुस्तक का विमोचन

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

वृदावन हाल सिविल लाइन रायपुर छ.ग. में पूर्व एडी. कलेक्टर सरगुजा श्री निर्मल तिग्गा के द्वारा लिखित पुस्तक ''मोड़ के बाद'' का विमोचन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री गनपत राव थे, कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री विजय एक्का ने की, आयोजन के विशिष्ट अतिथि के रुप में पूर्व राजस्व सचिव श्री अनूप श्रीवास्वत तथा पूर्व डी.आई.जी. श्री किशोर अग्रवाल थे। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के बीस जिलों के साहित्य में अभिरुचि रखने वाले प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ.नवीन श्रीवास्तव ने किया। पुस्तक की विस्तृत और सरस विवेचना विख्यात साहित्यककार श्री के.पी. सक्सेना ने की, श्री के.पी. सक्सेना ने कहा कि पुस्तक इतनी रोचक है कि यदि कोई इस पुस्तक को पढ़ना प्रारंभ करता है तो, वह व्यक्ति अंत तक पुस्तक को पढ़ने के लिये विवश सा हो जाता है। इस अवसर पर भूलन कांदा फिल्म के लेखक एवं डायरेक्टर, साहित्यकार श्री संजीव बक्सी ने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि ''मोड़ के बाद'' पुस्तक आदिवासी संस्कृति की एक मार्मिक और स्नेहिल गाथा है। पुस्तक के लेखक श्री निर्मल तिग्गा ने कहा कि यह पुस्तक आदिवासी अंचल के एक व्यक्ति की यथार्थ घटना है, जिसे मैंने इस उपन्यास में काल्पनिक नाम देकर उकेरने का प्रयास किया है।

आयोजन के मुख्य अतिथि श्री गनपत राव,कार्यक्रम के अध्यक्षता कर रहे श्री विजय एक्का, विशिष्ट अतिथि श्री अनूप श्रीवास्तव एवं श्री किशोर अग्रवाल ने अपने व्यक्तव्यों में कहा कि यह उपन्यास अत्यंत रोचक है। आदिवासी अंचल की रीतियों, भारतीय संस्कृति और वेदों की युक्तियों से ओत-प्रोत है, इन्होंने कहा कि मानव जीवन की यथार्थ घटना को उपन्यास का रुप देने का कल्पनातीत, अनुपम कार्य श्री निर्मल एक्का जी ने किया है।आयोजन समिति के संयोजक डॉ.जे.पी.श्रीवास्तव, डॉ.नवीन श्रीवास्तव, श्री महेश सोनी, श्री बी.एस. सिंह, जार्ज विलियम तिग्गा, श्री विक्रम सिंह लकड़ा, श्री राजेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव, श्रीमती रीना शुक्ला, श्रीमती सरिता सिन्हा, श्रीमती चिन्तामणी दास,श्रीमती निर्मला सोनी, श्री मनोज खरे सहित साहित्यप्रेमी श्री सुशील गजभिये, श्री जोसेफ तिग्गा, श्री अपोल किसपोट्टा, लायन श्रीमती एस्थेर तिग्गा, श्री अनुपम, श्री आनंद प्रकाश टोप्पो, श्री सेलेस्टीन खाखा, श्री जी.पी.बड़ा, श्रीमती कविता थापा, श्रीमती मीनाक्षी गौतम, श्री गजेन्द्र साहू, कुमारी जागृति राठौर तथा बहुत से सम्मानीय सेवानिवृत आई.ए.एस., आई.पी.एस. तथा न्यायधीशों सहित दो सौ से अधिक साहित्य प्रेमियों ने भाग लिया। आभार प्रदर्शन श्री आर.पी.श्रीवास्तव ने किया।

अटलजी की जयंती पर भाजपा ने आयोजित की सुशासन यात्रा व संगोष्ठी

» भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई अजातशत्रु थे:ललन प्रताप सिंह

- संवाददाता -
अंबिकापुर,25 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी की सौवीं जन्म जयंती के अवसर पर भाजपा अंबिकापुर उत्तरी तथा अंबिकापुर दक्षिणी मंडल द्वारा सुशासन यात्रा तथा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह,वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर तथा पूर्व सांसद कमलभान सिंह के आतिथ्य में आयोजित सुशासन यात्रा स्थानीय नगर पालिका स्कूल से प्रारम्भ होकर महामाया चौक, संगम चौक, देवीगंज रोड, घड़ी चौक होते हुये संकल्प भवन भाजपा कार्यालय पहुंची जहां श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की स्मृति में संगोष्ठी व श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह ने अटल जी को याद करते हुए अपने श्रद्धांजलि उद्बोधन में कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेई अजातशत्रु थे,

विपक्षी पार्टियों के लोग भी न केवल उनका सम्मान करते थे बल्कि उनके भाषणों को सुनने के लिए लालायित रहते थे। अटल जी ने पूरे विश्व में भारत का मान बढ़ाया,परमाणु विस्फोट करके उन्होंने भारत की ताकत का लोहा मनवाया। इस अवसर पर भाजपा वरिष्ठ नेता अनिल सिंह मेजर ने अटल जी को महान व्यक्तित्व बताते हुए कहा कि उनके प्रधानमंत्री रहते भारत देश ने विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया। उनकी सरकार ने अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं से आम आदमी का जीवन सुखमय व आसान बनाया। इस अवसर पर पूर्व सांसद कमल भान सिंह ने अटल जी की लिखी कविताओं का जिक्र करते हुए उनसे सभी कार्यकर्ताओं को प्रेरणा लेने की बात कही। इस अवसर पर भाजपा वरिष्ठ नेता त्रिलोक कपूर कुशवाहा ने कहा कि अटल जी ने अपनी सरकार के दौरान देश हित में कड़े निर्णय लिए। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष अंबिकेश केशरी ने कहा

कि अटल जी ने मूल्यों पर आधारित राजनीति करके राजनीति में एक नई मिसाल कायम की। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष कवि विनोद हर्ष ने अपनी कविता सूरज वूरज होते होंगे, अटल बिहारी अस्त नहीं होते सुनाकर अटल जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर जिला संवाद प्रमुख कवि संतोष सरल ने भी अपनी रचना मैं अलबेला अटल हूँ, मां भारती का प्यारा मुस्कुराता कमल हूँ सुनाकर अटल जी को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस अवसर पर संगोष्ठी को पूर्व अंबिकापुर मंडल अध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला, मंजूषा भगत तथा अंकित जायसवाल ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन अंबिकापुर उत्तरी मंडल अध्यक्ष मनोज कंसारी ने तथा आभार प्रदर्शन अंबिकापुर दक्षिणी मंडल अध्यक्ष कमलेश तिवारी ने किया।

इस अवसर पर भाजपा वरिष्ठ नेत्री श्रीमती किरण मिश्रा,फुलेश्वरी सिंह,जन्मेजय मिश्रा,निश्चल प्रताप सिंह,शकुंतला पांडेय,हरमिंदर सिंह,विकास वर्मा, अवधेश सोनकर,नकुल सोनकर,सोमनाथ सिंह,शैलेश सिंह, मनीष सिंह, सिकंदर जाय सवाल, संजय अग्रवाल, संतोष बिहाड़े जितेंद्र सोनी,विक्रम सिंह बाबरा,अभय साहू,अनिल जायसवाल,मधु चौदहा, निरंजन राय,श्वेता गुप्ता,संजय सोनी,रश्मि जायसवाल,नीलम रजवाड़े,प्रियंका सिंह,अंशुल ,तारा पांडेय,रविन्द्र तिवारी,प्रियंका चौबे,गौतम विश्वकर्मा,मनीष बारी, सोलू सिंह,श्याम गुप्ता, विकास, राकेश गुप्ता,राजू पांडेय,शरद,अनुज सिंह, आशुतोष सिंह,देव वर्मा,गणेश सिंह, मनीष सिंह, मनोज सोनी, महेश जायसवाल, अभय शर्मा, मार्कण्डेय तिवारी, आशुमल,निशांत गुप्ता, राम सिंह देव शंभू सोनी,किशोर बघेल अंकित तिर्की,सौरभ मिश्रा, गोलू यादव, सानू कश्यप, दिव्यांशु केसरी, संदीप ताम्रकार, भूपेंद्र सिंह मनोज प्रसाद,प्रिंस तिवारी ,वीर सोनी,सतीश सिंह, दिवस दुबे,बुध मेत, दारा सिंह,सुनील बघेल,संजय त्रिपाठी अभिमन्यु,जतिन, विकास ठाकुर,शुभम पांडेय, दीपक सोनी,अतुल सिंह,मनोज सिन्हा,नंदकिशोर ताम्रकार, आशीष अग्रवाल सहित अन्य भाजपा पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

क्या शासन के नियमों के तहत नहीं...जिला पंचायत सीईओ अपने कार्यालय हेड के नाते कुछ भी करने के लिए हैं अधिकृत ?

- किसी कर्मचारी से क्या काम लेना है यह अधिकार जिला पंचायत सीईओ का है ?
- किस अधिग्रहीत वाहन को अपने घर के भागवत कार्यक्रम में उपयोग करना है यह भी उनका अधिकार है ?
- अपने घर के भागवत कार्यक्रम में सरकारी कर्मचारियों का खूब हुआ उपयोगःसूत्र
- विभागीय स्टेनो न होने पर वैकल्पिक व्यवस्था के तहत प्रभारी स्टेनो बनाया जाता है,पर क्या विभागीय स्टेनो के रहते हुए भी प्रभारी स्टेनो से काम लेना नियम के विरोध नहीं ?
- किसे क्या काम लेना है यह अधिकार कम से कम जिला पंचायत सीईओ के पास होना चाहिए ऐसा कहना है सीईओ मैडम का
- संलग्नीकरण समाप्त होने के बाद भी कर्मचारी अपने मूल पद पर वापस क्यों नहीं हुए ?
- क्या जिला पंचायत सीईओ का संरक्षण मिला संलग्नीकरण समाप्त होने वाला कर्मचारियों को ?
- सुरजपुर जिला पंचायत में संलग्नीकरण का खेल,संलग्नीकरण समाप्ति के आदेश पश्चात भी अपने मूल विभाग में नहीं लौट रहे संलग्न कर्मचारी

- ओंकार पांडेय -
सूरजपुर,24 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

जिला पंचायत सूरजपुर में मनमानियां का दौर खत्म होने का नाम नहीं ले रहा,कहा जाए तो जिला पंचायत सीईओ को एक अलग तरह की छूट है कि वह अपने अधिकारों का उपयोग करेंके वह कुछ भी कर सकती हैं? यह बात इसलिए हो रही है क्योंकि ऐसा ही कुछ मामला सामने आया है जब जिला पंचायत का विभागीय स्टेनो कार्यालय में मौजूद है फिर भी वैकल्पिक व्यवस्था वाले प्रभारी स्टेनो से काम लेना बड़ा सवाल है? साथी अटैचमेंट पूरे प्रदेश में खत्म होने के बाद भी दूसरे विभाग के कर्मचारियों को अटैच करके जिला पंचायत सीईओ कहीं ना कहीं मनमानी कर रही हैं और इस पर सवाल पूछने जाने पर उनके अंदर की बौखलाहट भी साफ देखने को मिली,जब एक पत्रकार ने उनसे पूछा कि प्रभारी स्टेनो से कम लिया जा रहा है जबकि आपके कार्यालय में विभागीय स्टेनो मौजूद है, इस पर वह तिलमिला गई और कहने लगी कि किसने इस खबर को लगाने को कहा है? और मेरा कार्यालय हेड होने के नाते अधिकार है कि किसे क्या काम लेना है? और उन्होंने फोन काट दिया, उनके फोन काटने के बाद यह सवाल उत्पन्न होता है कि क्या सही में कार्यालय हेड होने के नाते अपना मनमर्जी चलाने का अधिकार शासन ने दिया है? शासन ने जो गाइडलाइन बनाई है उसके विरुद्ध काम करने का अधिकार दिया है या फिर जो सीओ होगा वह शासन के नियमों को दरकिनार करके अपनी मर्जी चलाएगा?

आपको बात दे की जिला पंचायत कार्यालय सूरजपुर में प्रभारी स्टेनो पूरा कार्यभार देख रहे हैं वहीं विभागीय स्टेनो से अन्य काम कराया जा रहा है,जानकारी मिली है कि विभागीय स्टेनो विधानसभा चुनाव के दौरान दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे जिस वजह से वह कार्यालय नहीं आ पा रहे थे,जिसे देखते हुए तत्कालीन सीईओ ने सहायक ग्रेड 3 कर्मचारियों को प्रभारी स्टेनो बनाया था, अब जब विभागीय स्टेनो ठीक होकर कार्यालय आ गए हैं तोभी उन्हें अपने ही जगह पर बैठने की अनुमति नहीं मिल रही है, वैसे यह बात अलग है कि कार्यालय हेड किसी से भी कोई भी काम कर सकता है, पर यह भी शासन के द्वारा तय किया गया है कि विभागीय स्टेनो ही फूल प्लेस कम कर सकता है पर विभागीय स्टेनो की कार्यालय में उपस्थित के बाद भी उनसे उनका काम ना करा कर अन्य काम करना, क्या यह अधिकार शासन ने सूरजपुर जिला पंचायत सीईओ को दिया है? या फिर

अपने पावर का धौंस दिखाकर वह जिसे जो चाहेंगी वह काम कराएगी? क्योंकि पत्रकार के सवाल पर कुछ ऐसा ही उनका जवाब था।

संलग्नीकरण समाप्त होने के बाद की कर्मचारियों को अपने मूल पद पर जाने से क्यों रोक रखी हैं जिला पंचायत सीई ?

क्या जिला पंचायत सीईओ सूरजपुर अपने आशीर्वाद पर संलग्नीकरण समाप्त होने के बाद की कर्मचारियों को अपने मूल पद पर जाने से रोक रखी हैं? यह सवाल इसलिए उठा है क्योंकि प्रदेश सरकार आते ही संलग्नीकरण समाप्त कर दी थी फिर भी कर्मचारी अपने मूल पद पर नहीं पहुंच पाए, जिसमें से सूरजपुर जिला पंचायत में संलग्नीकरण के तीन कर्मचारी अभी भी बने हुए, सूरजपुर जिले के जिला पंचायत कर्यालय में संलग्नीकरण का खेल देखा जा रहा है जहां संलग्न कर्मचारी अपने मूल विभाग में वापस नही जाना चाहते वहीं उन्हे जिला पंचायत कार्यालय से भी सह प्राप्त हो रहा है अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त हो रहा है जिसकी वजह से संलग्नीकरण समाप्ति आदेश को भी धता बता रहे हैं और अपनी मनमानी कर रहे हैं। बता दें की जिले के जिला पंचायत कार्यालय में शिक्षा विभाग के तीन स्कूलों से तीन लिपिक वहीं जनपद पंचायत प्रतापपुर से उप अभियंता विगत कई वर्षों से संलग्न हैं और वह जिला पंचायत में ही कार्य कर रहे हैं वहीं फरवरी माह में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा ही उनका संलग्नीकरण समाप्त कर दिया गया है लेकिन आज दिनांक तक तीनो जिला पंचायत में ही जमे हुए हैं और वहीं कार्य कर रहे हैं। पूर्व पदस्थ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सूरजपुर द्वारा चारों को उनके मूल पदस्थ संस्था में वापसी के लिए आदेशित किया गया था लेकिन फरवरी माह में आदेश जारी करने उपरांत जब तत्कालीन जिला पंचायत सीईओ का तबादला हो गया और नए जिला पंचायत सीईओ ने कार्यभार ग्रहण कर लिया उन्होंने पूर्व जिला पंचायत सीईओ के जारी आदेश अनुसार चारों संलग्न कर्मचारियों जिन्हे उनके मूल पदस्थ कार्यालय संस्था के लिए कार्यभार मुक्त करने आदेशित किया गया था को कार्यभार मुक्त नहीं किया गया और वह आज भी जिला पंचायत में ही जमे हुए हैं। सूत्रों का कहना है की चारों जुगाड से 12 सालों से एक ही जगह संलग्न होकर काम कर रहे हैं जबकि संलग्नीकरण समाप्ति का इस दौरान कई बार आदेश आया। अभी भी चारों जिला पंचायत में ही काम कर रहे हैं और उन्हे कोई हटा नहीं सकता उनका दावा है।

क्या संलग्न तीन कर्मचारियों को मिला हुआ है राजनीतिक संरक्षण या वह अधिकारियों से जुगाड लगाकर वर्षों से हैं संलग्न ?

जिले के जिला पंचायत कार्यालय में संलग्न तीन कर्मचारी किसका संरक्षण प्राप्त करके मनचाहे कार्यालय में कार्य कर रहे हैं यह एक बड़ा प्रश्न है वहीं सवाल यह भी है की क्या उन्हे राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है या फिर उनका जुगाड अधिकारियों से है।वैसे राजनीतिक यदि उन्हे संरक्षण प्राप्त है तो उनका जुगाड काफी तगड़ा है क्योंकि वह दोनो दलों की सरकार में अपने अनुसार अपनी मनचाही जगह पर काम कर रहे हैं और उनका जुगाड कोई बिगाड़ भी नही पा रहा है वहीं यदि वह अधिकारियों से जुगाड बना रहे हैं तब भी उनकी काबिलियत जुगाड मामले में कम नहीं क्योंकि अलग अलग अधिकारियों के कार्यकाल में वह लगातार संलग्न ही चले आ रहे हैं।

जिला पंचायत में शिक्षा विभाग के लिपिक अपनी सेवा प्रदान कर रहे जबकि शिक्षा विभाग और जिला पंचायत का नाता ही समाप्त हो गया है

सबसे आश्चर्य की बात यह है की जिला पंचायत में शिक्षा विभाग के लिपिक अपनी सेवा प्रदान कर रहे हैं जबकि शिक्षा विभाग और जिला पंचायत का संबंध का पुराना नाता ही समाप्त हो गया और शिक्षा विभाग जो पहले जिला पंचायत की तरफ ज्यादा विस्तृत था अब शिक्षा विभाग तक ही सिमट गया है। वैसे जिला पंचायत सूरजपुर में संलग्न शिक्षा विभाग के लिपिकों की बात की जाए तो यह कहा जा सकता है की ऐसा शायद ही कहीं और प्रदेश में देखने को मिलेगा जहां शिक्षा विभाग के कर्मचारियों को वर्षों से जिला पंचायत में संलग्न कर रखा गया होगा। सुरजपुर जिला अपने आप में इकलौता जिला होगा जहां एक नहीं दो नहीं तीन तीन स्कूलों के लिपिकों को जिला पंचायत में संलग्न करके रखा गया है।

शिक्षा विभाग के लिपिकों को लेकर शिक्षा विभाग क्यों है मौन ?

जिले के तीन स्कूलों के तीन लिपिक वर्षों से जिला पंचायत में संलग्न हैं,तीनों के द्वारा क्या जुगाड लगाया गया है संलग्न रहने के लिए यह तो वही जाने लेकिन तीनों अपने मूल विभाग की जगह अन्य विभाग में संलग्न होकर काम करने में ज्यादा खुश हैं। वैसे इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय क्यों मौन है वह क्यों अपने कर्मचारियों की वापसी की मांग नहीं करता यह बड़ा सवाल है। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय को अपने विभाग के उन लिपिकों की वापसी की मांग करनी चाहिए जो वर्षों से जिला पंचायत में जुगाड से संलग्न हैं।

क्या जिला पंचायत में है वेतन के अतिरिक्त अन्य कोई लाभ जिसके कारण नहीं लौट रहे अपने मूल कार्यालय में वहां संलग्न कर्मचारी ?

जिला पंचायत में वर्षों से संलग्न कर्मचारी अपने मूल पदस्थ कार्यालय नहीं जाना चाहते और वह जिला पंचायत में ही पदस्थ रहना चाहते हैं यह देखने सुनने और जारी संलग्नीकरण आदेश की अवहेलना उपरांत समझा जा सकता है। अब सवाल यह उठता है की क्या जिला पंचायत में उन्हे वेतन के अलावा कोई अतिरिक्त लाभ मिल रहा है जिस वजह से वह वापस नहीं जाना चाहते अपने मूल पदस्थ कार्यालय में। अब वजह जो भी हो लेकिन आदेश की अवहेलना जो संलग्निकरण समाप्ति को लेकर जारी आदेश है वह तो होती नजर आ रही है और यह भी कहना गलत नहीं होगा कि जिले में चार कर्मचारी अपनी मनमानी कर रहे हैं वह अपने अनुसार कार्यालय का चयन कर काम करना पसंद कर रहे हैं और वह अपना मूल विभाग भी त्याग कर रहे हैं वहीं उनकी इस मनमानी को संरक्षण मिल रहा है। वैसे सवाल यह भी उठ रहा है की क्या ऐसी ही सुविधा मन अनुसार विभाग और कार्यालय चुनने की जिले के अन्य कर्मचारियों को भी मिलेगी या यह सुविधा इन्हीं चार लोगों के लिए है।

केल्हारी में सुशासन दिवस पर अटल जी को किया गया याद

- संवाददाता -
एमसीबी,25 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

आज जिले विकासखण्ड मनेंद्रगढ़ के ग्राम पंचायत केल्हारी अटल चौक सहित आस पास के ग्राम पंचायत में भारत रत्न श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म दिवस मनाया गया और अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन परिचय के बारे में बताया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जिला सदस्य दृगपाल सिंह, भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ता पीताम्बर गुप्ता जनपद सदस्य अनीता सिंह, सुनील तिवारी ने अटल जी के छायात्रित पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी का मुंह मीठा कराया गया। इस कार्यक्रम में सरपंच आशा सिंह, सचिव गंगा राम, अशोक कुमार, शिवकुमार, सौरभ, जयसिंह, संतोष, अजीत जायसवाल, सुरेश गुप्ता, आनंद गुप्ता सहित अनेक ग्रामीण लोग शामिल रहे।

भारत रत्न श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती पर जिले के समस्त पंचायतों में सुशासन दिवस का हुआ आयोजन

- ग्राम पंचायतों के अटल चौक, जनपदों के सभागार और स्कूल में सुशासन का विशेष आयोजन

- संवाददाता -
एमसीबी,25 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म जयंती पर 25 दिसंबर 2024 को पूरे जिले में सुशासन दिवस के रूप में हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया। जिले के 3 विकासखण्ड खड़गवां, भरतपुर तथा मनेंद्रगढ़ तथा 5 नगरीय निकाय मनेंद्रगढ, खोंगापानी,झगराखण्ड, नई लेदरी, जनकपुर तथा 1 नगर पालिका निगम चिरमिरी में आयोजन बड़े उत्साह और जनभागीदारी के साथ संपन्न हुआ। सुशासन दिवस के अवसर पर ग्राम पंचायतों के प्रमुख चौक-चौराहों पर स्थित अटल चौक पर श्रमदान, स्वच्छता अभियान, सुशासन शपथ और अन्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर ग्रामवासियों, पंचायत पदाधिकारियों, महिला समूहों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

जिले के प्रमुख ग्राम पंचायतों में सुशासन दिवस का आयोजन किया गया जिसमें, चैनपुर, सरभोका, तिलोखन, लोहारी, कछोड़, नारायणपुर, केल्हारी, खड़गवां, कोटया, मझौली, धनपुर, बेलकामार, बोड़ेमुडा, मेन्ड्रा, छोटे कलुआ, सलका, पेन्ड्री, उधनापुर, बहरासी, मैनपुर, सेमरिहा, देवगढ़, चांटी, पेरी, जमथान, कुदरा, बरहोरी, भगवानपुर, चरखर,जनुवा ग्राम पंचायत स्तर पर सुशासन दिवस का आयोजन किया गया। सुशासन दिवस के अवसर पर सुशासन दिवस की शपथ दिलाई गई। इस दौरान अटल जी की कविताएं और विचार भी व्यक्त किए गए। कई ग्राम पंचायतों में अटल जी की कविताएं और उनके प्रेरणादायक विचारों को साझा किया गया। साथ ही सुशासन दिवस पर सामुदायिक भागीदारी रही, जिसमें महिला समूहों, युवाओं और ग्रामवासियों ने पूरे उत्साह से कार्यक्रम में भाग लिया।

अटल बिहारी वाजपेई की जयंती के साथ भाजपा जिला अध्यक्ष की हुई रायशुमारी

- संवाददाता -
अनूपपुर,25 दिसम्बर 2024 (घटती-घटना)।

देश के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. अटलबिहारी वाजपेयी की जयंती 25 दिसंबर 24 को अनूपपुर भाजपा कार्यालय में सुशासन दिवस के रूप में मनायी गई। इसके साथ ही संगठन महापर्व के अंतर्गत भाजपा जिला अध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी की गई। भाजपा जिला अध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी को संपन्न कराने के लिए पहुंचे बालाघाट के पूर्व विधायक शहडोल संभाग के पर्यवेक्षक भगत सिंह नेताम, अनूपपुर के जिला निर्वाचन अधिकारी रीवा के पूर्व महापौर वीरेंद्र गुप्ता के द्वारा भाजपा के अपेक्षित सभी कार्यकर्ताओं से एक-एक कर बंद कमरे में भाजपा जिला अध्यक्ष पद के दावेदारों के नाम की पर्ची बंद लिफाफे में लेकर रायशुमारी की कार्यवाही को संपन्न किया। अनूपपुर भाजपा कार्यालय में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई के जयंती के अवसर पर उन्हें सभी लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए उनके जीवन पर अतिथियों ने प्रकाश डाला। इसके पश्चात दोपहर 2:00 बजे से भाजपा जिला अध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी का दौर शुरू हुआ जो देर शाम तक चलता रहा। रायशुमारी में जिले भर के अपेक्षित कार्यकर्ता सम्मिलित होकर अपनी अपनी पसंद के उम्मीदवारों के नाम की पर्ची जिला निर्वाचन अधिकारी के हाथों में बंद लिफाफे के माध्यम से प्रदान की। अब यह बंद लिफाफा सीधे भोपाल कार्यालय में खुलेगा जहां से भाजपा जिला अध्यक्ष के नाम का फैसला होगा। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रामदास पुरी तथा अन्य सभी वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। उपरोक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह द्वारा दी गई।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड बलरामपुर जिला बलरामपुर (छ0ग0)

निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा एकल प्रणाली के तहत श्रेणी 'ड' एवं उपर के पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र 'ए' में स्पीडपोस्ट/रजिस्टर्ड पोस्ट, पोस्ट द्वारा आमंत्रित की जाती है तथा नियत तिथि को उपस्थित निविदाकारों या उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोले जावेंगे।

समय सारणी:-

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन देने की अंतिम तिथि - 30/12/2024 (अपरान्ह 05:30 बजे तक)
2. कोरे निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि - 31/12/2024 (अपरान्ह 05:30 बजे तक)
3. निविदा रजिस्टर्ड/स्पीड पोस्ट डाक से प्राप्त करने की अंतिम तिथि - 01/01/2025 (अपरान्ह 03:00 बजे तक)
4. निविदायें खोलने की तिथि/समय - 02/01/2025 (पूर्वान्ह 11:00 बजे से)

निविदा सूचना क्रमांक-30 दिनांक 20-12-2024 निविदा प्रपत्र का मूल्य 750/-प्रति समूह है

स.क्र.	कार्य का नाम	ठेके की अनुमानित लागत (रू.लाख	अमानत राशि रू.
1	Water supply Arrangment at Tatapani Mahotsav 2025	4.04	4000
2	Arrangment & Distribution of Water for Public, officer,food area room Artist & VIP, mela ground and Mandir parisar at tatapani mahotav 2025	3.98	4000

निविदा की सामान्य शर्तें,धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालीन अवधि में कार्यालय से निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि तक प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड
बलरामपुर (छ0ग0)

जी0नं0 -242504772/1

न्यायाल अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/ सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर,जिला-सूरजपुर

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /अ-2/2024-25

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम-भगवानपुर क को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती मनपति सारथी पति चित्रसेन सारथी, जाति घासी, निवासी ग्राम भगवानपुर क पोस्ट जयनगर, तहसील लटोरी, जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य को भूमि ग्राम भगवानपुर के, प0ह0न0 22, रा0नि0म0 पिलखा, तहसील लटोरी स्थित भूमि खसरा क्रमांक 49/4 रकबा 0.04 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 06/01/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं । उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 23/12/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.)/ सक्षम प्राधिकारी, सूरजपुर,जिला-सूरजपुर

ईश्तहार

रा.प्र.क्र. /अ-2/2024-25

एतद्द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम - नरेशपुर को सूचित किया जाता है आवेदिका श्रीमती कौशिल्या पिता जवाहिर, जाति घासी, निवासी ग्राम नेवरा, तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर, छ0ग0 द्वारा उनके स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि ग्राम नेवरा, प0ह0न0 2, रा0नि0म0 बसदेई, तहसील सूरजपुर स्थित भूमि खसरा क्रमांक 1605/2 रकबा 0.090 हे0 में से 0.02 हे0 कृषि भूमि को आवासीय प्रयोजन में व्यपवर्तन किये जाने का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस सम्बन्ध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से दिनांक 06/01/2025 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं । उसके पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 23/12/2024 को न्यायालयीन पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी किया गया।

सील

विशेष कर्त्तव्याधिकारी
भूमि व्यपवर्तन,सूरजपुर

68 वीं राष्ट्रीय शालेय नेटबॉल बालक-बालिका क्रीड़ा प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

- संवाददाता -
कोरबा,25 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

68वीं राष्ट्रीय शालेय नेटबॉल बालक बालिका क्रीड़ा प्रतियोगिता 2024-25 का आज कोरबा नगरीय क्षेत्र के प्रियदर्शिनी इंदिरा स्टेडियम में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और आकर्षक मार्चपास्ट के साथ शुभारंभ किया गया। मुख्य अतिथि श्री लखनलाल देवांगन, वाणिज्य, उद्योग और श्रम मंत्री छत्तीसगढ़ शासन द्वारा पाँच दिवसीय आयोजन का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन और ध्वजातोलन पश्चात औपचारिक घोषणा कर किया गया।

कैबिनेट मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि खेल जीवन का अभिन्न हिस्सा है। यह व्यक्ति के शारिरिक और मानसिक विकास में सहायक होता है। साथ ही सफलता की राह में आगे बढ़ते हुए एक मुकाम हासिल की जा सकती है। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि स्कूल में पढ़ाई के साथ खेलकूद में शामिल होकर और अच्छे खेल का प्रदर्शन कर अपना नाम रोशन किया जा सकता है। इस हेतु आप सभी खेल के साथ साथ हर क्षेत्र में आगे बढ़े एवं अपने माता पिता, स्कूल, शिक्षक क्षेत्र देश प्रदेश का नाम गौरवान्वित करें। मंत्री श्री देवांगन ने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि कोरबा जिले में राष्ट्रीय स्तर क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन होना बड़े ही गौरव की बात है। राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजन से एकता की भावना विकसित होती है। आज सुशासन दिवस के अवसर पर यहां अलग अलग राज्यों के 1400 से अधिक प्रतिभावान खिलाड़ी खेल में हिस्सा लेने आए है। यह एक ऐसा माध्यम है जहाँ खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा को सामने लाने के साथ ही आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। इस तरह के आयोजन से खिलाड़ियों को अलग-अलग राज्यों के संस्कृति और भाषा-बोलियों को जानने, सीखने समझने का भी मौका मिलता है। आपसी भाई चारा का विकास होता है। उन्होंने कहा कि खेल में हार

जीत लगी रहती है, हारने वाले खिलाड़ियों को निराश होने की आवश्यकता नही है। बल्कि अपने खेल में सुधार कर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने सभी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन करने के किए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री मनोज बंजारे ने कहा कि छात्र जीवन में खेल और पढ़ाई का विशेष महत्व होता है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को जीत-हार की भावना से परे होकर अच्छे खेल प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी। शुभारंभ कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी सम्बोधित किया। स्वागत भाषण जिला शिक्षा अधिकारी श्री टी पी उपाध्याय ने दिया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी भूमिका देवांगन ने सभी खिलड़ियों को खिलाड़ी भावना से खेलने और हारने पर निराश न होते हुए आगे बढ़ने और परिश्रम कर पुनः अच्छे प्रदर्शन से सफलता अर्जित करने की संकल्प दिलाया। इस अवसर पर नगर निगम के महापौर श्री राजकिशोर प्रसाद,सभापति श्री श्याम सुंदर सोनी, नेता प्रतिपक्ष श्री हितानंद अग्रवाल, डॉ राजीव सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, विभागीय अधिकारी, खेल प्रशिक्षक उपस्थित थे। 28 दिसम्बर तक आयोजित होने वाले इस क्रीड़ा प्रतियोगिता में नेटबॉल बालक-बालिका 14 एवं 19 वर्ष के अंतर्गत 18 राज्य व 5 शैक्षणिक अनुसंधान परिसर के 1400 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे है। जिसके अंतर्गत आंध्रप्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान , तमिलनाडु, तेलांगना सहित विद्याभारती और सीबीएसई और मेजबान छत्तीसगढ़ की टीम शामिल हो रही है। आज उदघाटन अवसर पर सभी टीमों ने आकर्षक मार्चपास्ट निकाली। इस दौरान जिले के स्कूली छात्र छात्राओ द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी दी गई।

पीएम जनमन आवास से वृद्धावस्था में नहीं रहेगी आवास की चिंता

- संवाददाता -
कोरबा,25 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

उम्र के साथ कमजोर होती शरीर और पकते हुए बालो के बीच आँखों में अनगिनत खवाब लिए विशेष पिछड़ी जनजाति पहाड़ी कोरवा गुरुवारी बाई को लगता था कि अब उनकी जिंदगी भी मिट्टी के टूटते मकानों की तरह एक दिन ऐसी ही ढह जाएगी। उन्होंने पक्के मकान की जो उम्मीद लगा रखी थीं वह भी कभी पूरा नहीं होगा। पति के मौत के बाद अलग-थलग पड़ी गुरुवारी बाई को इस बात का भी मलाल था कि वह अपने बेटे के लिए भी कुछ नहीं कर पाई। जो आशियाना है वह भी मिट्टी का है और परत दर परत इस घर की दीवारें भी उखड़ती चली जा रही है। ऐसे में बच्चों का भविष्य आने वाले दिनों में क्या होगा ? घने जंगल के बीच कच्चे और टूटते मकान में अक्सर चिंता में डूबी गुरुवारी बाई भी उम्मीद हार ही चुकी थी कि उसका भी कभी पक्का मकान बनेगा...लेकिन एक दिन देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जंगलों में गरीबी और गुमनामी के बीच बसर कर रहे विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों की सुध लेते हुए पीएम जनमन योजना की शुरुआत की तो गुमनामी में जी रही गुरुवारी बाई जैसी अनेक परिवारों को नई उम्मीद और नई पहचान मिल

गई। प्रधानमंत्री जनमन योजना से अनेक योजनाओं से जुड़ने के साथ ही पक्का मकान भी इनके नाम हो गया है। अब उजड़ते हुए मकान की चिंता करने छोड़ गुरुवारी बाई अपने घर के सामने मजबूत नींव के साथ खड़ी होती मजबूत दीवारों में अपने बच्चों का सुनहरा सपना संजोने लगी है। कोरबा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम सरडीह में निवास करने वाली पहाड़ी कोरवा जनजाति की गुरुवारी बाई ने बताया कि उम्र के साथ वह अब ज्यादा कही आना-जाना नहीं कर सकती है। उन्होंने बताया कि 20 साल पहले पति के मौत के बाद वह सदमे जैसी जिंदगी जीती आई। गरीबी के बीच बच्चों का लालन-पोषण कर किसी तरह बड़ा की लेकिन वह अपने कच्चे मकान को और मजबूत नहीं बना पाई। उन्होंने बताया कि साल-दर-साल बारिश से उनका आशियाना टूटता ही जा रहा है। पहले वह अपने मकान की दीवारों को हर साल मिट्टी से परत चढ़ाकर कुछ जतन कर भी लेती थी,लेकिन अब उम्र के साथ उनकी ताकत नहीं रही। उन्होंने बताया कि सबसे ज्यादा नुकसान बारिश में ही हुआ है। खपरैल से पानी टपकने के बाद वह छत पर नहीं चढ़ सकती थी और बारिश का हर नुकसान उन्हें सहना पड़ता था। गुरुवारी बाई ने बताया कि कुछ माह पहले जब उन्हें बताया गया कि सभी पहाड़ी कोरवा परिवार का पक्का मकान बनेगा तो उन्हें विश्वास नहीं हो रहा था। जब मकान बनाने के लिए दस्तावेज लिए और घर बनना शुरू हुआ तो यकीन हुआ कि अब सचमुच वह अपने बेटों के साथ पक्के घर में रहेगी।

भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की सामान्य सभा सम्पन्न

- संवाददाता -
एमसीबी,25 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

विगत दिवस समय-सीमा की बैठक के बाद भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी की सामान्य सभा की बैठक कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित किया गया। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी अविनाश खरे के द्वारा सोसायटी की विभिन्न गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया गया। नवीन जिला होने के कारण वर्तमान में इस सोसायटी में 215 सदस्य हैं।

जिला चिकित्सा अधिकारी द्वारा आजीवन सदस्य बनाये जाने हेतु समस्त जिला अधिकारियों को स्वयं से जिम्मेदारी उठाते हुए सहभागिता निभाने का आग्रह किया गया। इसके साथ प्रबंध कारिणी समिति का गठन के साथ-साथ सोसायटी के सुचारू संचालन हेतु तीन वर्ष के लिए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष एवं राज्य प्रबंध हेतु चुनाव की प्रक्रिया किया जाना है। सामान्य सभा की बैठक जिले के समस्त जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

नारी सशक्तिकरण के लिए गायत्री शक्तिपीठ में तीन दिवसीय कार्यशाला

- संवाददाता -
सूरजपुर,25 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

गायत्री शक्तिपीठ सूरजपुर में तीन दिवसीय उपजोन स्तरीय नारी सशक्तिकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया है जिसमें वक्ता के रूप में शांतिकुंज हरिद्वार की बहनों के द्वारा नारी सशक्तिकरण के लिए महिलाओं को जागरूक किया जा रहा है।नारी कैसे सशक्त बने इस विषय पर विस्तार से बताते हुए कहा गया कि महिलाएं हर परिस्थिति में साहस का परिचय देकर आगे बढ़ सकती हैं जिसके अनेक उदाहरण है।कार्यशाला को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है ।

कार्यशाला में प्रमुख वक्ताओं में हरिद्वार की कुंती साहू श्वेता दुबे,चमन गौतम,सरस्वती तिवारी शामिल है जो महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में उन्हें प्रशिक्षण दे रही हैं। वक्ताओं ने बताया कि परम पूज्य गुरुदेव पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी के अनुसार 21वीं सदी में नारियों की सक्रिय व गौरवशाली भूमिका होगी ,इसी उद्देश्य से बहनों में आत्मविश्वास जगाने तथा नारी जागरण आंदोलन हेतु उन्हें संगठित करने हेतु यह कार्यशाला आयोजित है। कार्यशाला में शांतिकुंज की बहनों ने महिलाओं से कहा कि आप प्रशिक्षित होकर अपना आत्मविश्वास बढ़ायें और परम पूज्य गुरुदेव के उद्घोषणा 21वीं सदी नारी सदी, 21वीं सदी उज्जवल भविष्य को सार्थक व साकार करने के माध्यम बने।इस दौरान वीडियो ग्राफी के माध्यम से जहां नैतिक,बौद्धिक,भावनात्मक मूल्यो के स्तर बढ़ाने की दिशा में बताया गया तो वहीं बच्चे मानसिक, सामाजिक, आध्यात्मिक गुणो से स्वस्थ कैसे रहे इसके तरीके बताए गए। कार्यशाला में सुरजपुर, कोरिया, मनेन्द्रगढ़, अंबिकापुर एवं बलरामपुर जिले से करीब 300 महिलाएं लाभ ले रही हैं। कार्यशाला प्रशिक्षित करके तराशने व उन्हें उनके योग्य कार्यों में नियोजित व का समापन गुरुवार को होगा।उप जोन समन्वयक भोला प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि सन् 2026 में वंदनिया माताजी भगवती देवी शर्मा की जन्म शताब्दी मनाने की तैयारी में यह कार्यशाला पुरे विश्व में चलाया जा रहा है। जिसमें नारियों के अपने कर्तव्य निर्वहन, संस्कार एवं परिवार निर्माण सिखने का एक अच्छा अवसर है अधिक-से अधिक बहने प्रशिक्षण का लाभ प्राप्त करें। इस कार्यशाला में उप जोन सह समन्वयक शिव शंकर कुशवाहा, शिवशंकर साहू, पवन गर्ग, अवधेश गोयल, सुशील निगम, रामनारायण कुशवाहा श्रीमती अनु काण्डे, डा. स्वर्णा शर्मा, पूजा मिश्रा अंजलि खैरवार सरिता राजवाड़े शोभा तिवारी,लोचन गुप्ता शोमनाथ कुशवाहा, डा0 अभिषेक सिंह का सक्रिय योगदान है।

56 नग साल चिरान लोड पिकप को वन एवं पुलिस अमला की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर पकड़ा

- संवाददाता -
उदयपुर,25 दिसम्बर 2024
(घटती-घटना)।

लकड़ी तस्करी में शामिल पिकप वाहन को वन एवं पुलिस अमला की संयुक्त टीम पकड़कर अग्रिम कार्यवाही में जुटी हुई है । वन अमला उदयपुर से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार की रात को 1 बजे करीब वन परिक्षेत्र उदयपुर अंतर्गत आने वाले ग्राम घाटबर्रा के केरींपारा से एक पिकप में अवैध साल चिरान परिवहन होने की सूचना मिली थी । सूचना पर त्वरित कार्यवाही कर पिकप वाहन को पकड़ने के लिए तारा पुलिस, उदयपुर पुलिस की टीम एवं वन अमला द्वारा घेराबंदी कर पिकप वाहन क्रमांक यूपी 64 बीटी 1179 को सूरजपुर रोड में दौड़ाकर ग्राम देवटिकरा में सुबह 4 बजे करीब पकड़ा गया। वाहन को पकड़ने के दौरान मौका पाकर वाहन चालक एवं वाहन में सवार तीन अन्य लोग फरार हो गये। एक व्यक्ति पकड़ा गया जिसे पहले पुलिस थाना लाया गया फिर वाहन एवं पकड़े गये व्यक्ति को वन अमला के सुपुर्द किया गया वन अमला द्वारा वन चौकी उदयपुर लाकर वन अधिनियम की धाराओं के तहत कार्यवाही जारी है। पिकप वाहन को पकड़कर लाने के बाद पकड़े गये व्यक्ति की निशानदेही पर वन अमला द्वारा केरींपारा घाटबर्रा में रामेश्वर लकड़ा के घर जाकर तलाशी ली गई जहां वन अमला को एक मोटर सायकिल क्र. सीजी 15 ईडी 7370, तीन आरा, दो बसुला और दो नग सिल्ली की बरामदगी हुई। सभी को वन चौकी लाकर अग्रिम कार्यवाही जारी है।

लकड़ी तस्करी में शामिल एक व्यक्ति के अलावा अन्य लोगों के 7 अन्य लोगों के भी सामने आ रहे है उनके विरुद्ध भी वन अमला द्वारा कार्यवाही

उक्त कार्यवाही में उदयपुर पुलिस की टीम थाना प्रभारी कुमारी चन्द्राकर के नेतृत्व में तथा तारा पुलिस की टीम प्रधान आरक्षक जगमंडल लकड़ा, आरक्षक अमर सिंह, देवनीश और वन अमला की टीम में वनपाल चन्द्रभान सिंह, गिरीश बहादूर सिंह, अशोक प्रताप सिंह, परमेश्वर सिंह, अंशु माला, वनरक्षक दिनेश तिवारी भरत सिंह, अमरनाथ राजवाड़े, सहिस कपूर, ऋषि रवि, नन्दकुमार, संतोष पैकरा, विष्णु सिंह सक्रिय रहे ।

- जप्त लकड़ी का बाजार मुल्य दो लाख रूपये...एक व्यक्ति पकड़ाया
- वन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत की जा रही कार्यवाही
- घर पर छापामारी के दौरान एक मोटर सायकिल, तीन आरा,दो बसुला और दो नग सिल्ली भी हुई जप्त

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा0), वाड्रफनगर,जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण जनता नगर पंचायत वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ0ग0) को ईहश्तहार के जरिये सूचित किया जाता है कि आवेदक राय सिंह टेकाम आ0 जाति गोड़ निवासी नगर पंचायत वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर जिला बलरामपुर-रामानुजगज,छ0ग0 द्वारा ग्राम वाड्रफनगर तहसील वाड्रफनगर स्थित अपने आधिपत्य क एवं स्वामित्व की भूमि ख0न0 978/3 रकबा 0.02 हे0 भूमि को कृषि प्रयोजन से आवासीय प्रयोजनार्थ व्यपवर्तित कराने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो दिनांक 26/12/2024 तक इस न्यायालय में लिखित आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते हैं, समय-सीमा के बाद के आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जावेगा।

अनुविभागीय अधिकारी
(रा0) वाड्रनगर
सील जिला-बलरामपुर रा.गंज

कोंस्टास के सामने बुमराह के रूप में बड़ी चुनौती होगी : पोंटिंग

नई दिल्ली,25 दिसम्बर 2024। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि सैम कोंस्टास में भारत के खिलाफ टेस्ट डेब्यू में अपनी छाप छोड़ने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि किशोर बल्लेबाज में दुनिया को यह दिखाने का जज्बा है कि वह कितने अच्छे खिलाड़ी हैं। लेकिन उनके सामने जसप्रीत बुमराह के रूप में बड़ी चुनौती होगी।कोंस्टास (19) गुरुवार को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर 90,000 से अधिक प्रशंसकों के सामने बॉक्सिंग डे टेस्ट में भारत के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं, क्योंकि उन्हें नैथन मैकस्वीनी की जगह टीम में शामिल किया गया है।ऑस्ट्रेलिया की 2024 अंडर-19 पुरुष विश्व कप जीतने वाली टीम के सदस्य कोंस्टास ने कैनबरा के मनुका ओवल में भारत के खिलाफ अभ्यास मैच में प्रधानमंत्री एकादश की ओर से खेलते हुए शतक बनाया। 11 प्रथम श्रेणी मैचों में कोंस्टास ने 42.2 की औसत से 718 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल हैं।

भारत और पाकिस्तान एक ही दिन खेलेंगे टेस्ट मैच

» विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में होगा तगड़ा असर

मेलबर्न,25 दिसम्बर 2024। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका यानी प्वाइंट्स टेबल में फिर से बहुत बड़ा बदलाव होने की संभावना है। भारतीय क्रिकेट टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी सीरीज में अपना चौथा मैच खेलने की तैयारी में है। ये मैच 26 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा। ऐसा नहीं है कि इस दिन केवल भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें ही एक दूसरे के सामने होंगी। इसी दिन से एक और मुकाबला होने जा रहा है, जब साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान की टीमें भी आपस में भिड़ रही होंगी। हालांकि दोनों मैचों का टाइम अलग अलग होगा, इसलिए आप इसे आसानी से देख सकते हैं। वैसे अगर देखा जाए तो इसी दिन एक और यानी तीसरा टेस्ट भी शुरू होने जा रहा है, लेकिन ये मुकाबला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के तहत नहीं खेला जाएगा। इसलिए इस मैच के नतीजे से डब्ल्यूटीसी की अंक तालिका पर कोई भी असर नहीं होगा।

भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया के अलावा साउथ अफ्रीका बनाम पाकिस्तान टेस्ट भी होगा शुरू

भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें मेलबर्न में 26 दिसंबर को सुबह 5 बजे से आमने सामने होंगी। इससे आधे घंटे पहले यानी साढ़े चार बजे टॉस होगा। ये वक्त भारतीय समय अनुसार है, इसका ध्यान रखिएगा। अगर सब कुछ ठीकठाक रहा तो भारत में दिन में करीब 12 बजे दिन का खेल खत्म हो जाएगा। इसके बाद शुरू होगा साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान का मुकाबला। पाकिस्तानी टीम इस वक्त साउथ अफ्रीका के दौरे पर है। वनडे सीरीज में पाकिस्तान ने कमाल का खेल दिखाते हुए साउथ अफ्रीका को चारोखाने चित्त कर दिया है, लेकिन अब टेस्ट की बारी है।

भारत,ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका की टीमें फाइनल में जाने की दावेदार

साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेली जानी है, जिसका पहला मुकाबला 26 दिसंबर से शुरू होगा। भारत में ये मैच दोपहर बाद करीब डेढ़ बजे से शुरू होगा। यानी तब तक भारत और ऑस्ट्रेलिया का पहले दिन का खेल खत्म हो चुका होगा। ये दोनों मैच इसलिए ज्यादा अहम हो जाते हैं, क्योंकि भारत, साउथ अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया की टीमें ही इस वक्त डब्ल्यूटीसी फाइनल में जाने की सबसे प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। इस वक्त प्वाइंट्स टेबल में टॉप 3 पर इन्हीं तीन टीमों का कब्जा है। साउथ अफ्रीका की टीम सबसे ज्यादा पीसीटी के साथ पहले नंबर पर है। ऑस्ट्रेलिया की टीम दूसरे और टीम इंडिया तीसरे नंबर पर है। इन दो मैचों के बार जहां एक और अंक तालिका में भयंकर उलटफेर होगा, वहीं फाइनल की तस्वीर भी काफी हद तक साफ हो जाएगी।

अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच भी शुरू होगा टेस्ट मुकाबला

इसके अलावा 26 दिसंबर से ही अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे के बीच भी टेस्ट मैच शुरू होगा। ये मैच भी इन दोनों टीमों के लिए तो अहम है, लेकिन ये मुकाबला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा नहीं है। इसलिए इसक मैच के नतीजे का असर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप प्वाइंट्स टेबल पर नहीं होगा। इस तरह से देखा जाए तो एक ही दिन से तीन टेस्ट मैच शुरू होंगे। कुल छह टीमें अपने अपने मुकाबले खेल रही होंगी। यानी आने वाले चार पांच दिन काफी रोचक रहने वाले हैं।

आईसीसी रैंकिंग में हो रही भयंकर उठापटक

» ट्रैविस हेड आगे निकले
» यशस्वी जायसवाल हुआ को नुकसान
» ऋषभ पंत टॉप 10 से बाहर

मेलबर्न,25 दिसम्बर 2024। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला 26 दिसंबर से खेला जाएगा, लेकिन इससे पहले ही आईसीसी ने एक बार फिर से टेस्ट रैंकिंग जारी कर दी है। हालांकि टॉप 3 बल्लेबाजों में तो कोई बदलाव नहीं हुआ है। लेकिन इसके बाद भी काफी ज्यादा उलटफेर नजर आ रहे हैं। जहां एक ओर ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज ट्रेविस हेड को फायदा मिलता हुआ नजर आ रहा है, वहीं भारत के यशस्वी जायसवाल को नुकसान हुआ है। बड़ी और अहम बात ये है कि टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी ऋषभ पंत लंबे समय बाद टॉप 10 से बाहर हो गए हैं।

जो रूट अभी भी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग के नंबर एक बल्लेबाज

आईसीसी की ओर से जो नई रैंकिंग जारी की गई है, उसमें अभी भी इंग्लैंड के जो रूट नंबर एक टेस्ट बल्लेबाज हैं। उनकी रेटिंग 895 की है। ये बात और है कि उनकी रेटिंग में कुछ कमी आई है, लेकिन इसके बाद भी पहले नंबर पर बने रहने के लिए ये काफी है। इंग्लैंड के ही हैरी ब्रूक 876 की रेटिंग के साथ नंबर दो पर हैं। उधर न्यूजीलैंड के केन विलियमसन 867 की रेटिंग के साथ तीसरे नंबर पर हैं। यानी टॉप 3 में कोई भी बदलाव इस बार नहीं हुआ है।

ट्रैविस हेड नंबर 4 पर पहुंचे,जायसवाल पांचवें नंबर पर फिसले

इस बीच ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ बल्लेबाज ट्रैविस हेड को फायदा मिला है। वे अब सीधे नंबर 4 पर पहुंचने में कामयाब हो गए हैं। उनकी रेटिंग बढ़कर सीधे 825 की हो गई है। उन्हें इस बार एक स्थान का फायदा मिला है। भारत के यशस्वी जायसवाल को एक स्थान का नुकसान उठाना पड़ा है। अब वे नंबर 5 पर चले गए हैं। जायसवाल की रेटिंग अब घटकर 805 की हो गई है।

स्टीव स्मिथ की टॉप 10 में वापसी

श्रीलंका के कामेंदु मेंडिस 759 की रेटिंग के साथ नंबर 6 और साउथ अफ्रीका के टेम्बा बावुमा 753 की रेटिंग के साथ नंबर 7 पर हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 725 की रेटिंग के साथ इस वक्त आईसीसी की टेस्ट रैंकिंग में नंबर 8 पर चल रहे हैं। पाकिस्तान के साउद शकील पहले की ही तरह 724 की रेटिंग के साथ नंबर 9 पर हैं। इस बीच ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ ने एक स्थान की छलांग मारी है। वे अब 721 की रेटिंग के साथ नंबर 10 पर पहुंच गए हैं। स्टीव स्मिथ के फायदे का नुकसान ऋषभ पंत को हुआ है। वे अब टॉप 10 से बाहर हो गए हैं। पंत 708 की रेटिंग के साथ नंबर 11 पर चले गए हैं, उन्हें दो स्थानों का नुकसान उठाना पड़ा है।

ऑस्ट्रेलिया की कमजोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि भारत आगे है...

मेलबर्न,25 दिसम्बर 2024। भारत के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की कमज़ोर बल्लेबाजी लाइन-अप का मतलब है कि गुरुवार से मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर शुरू होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट से पहले भारत आगे है।

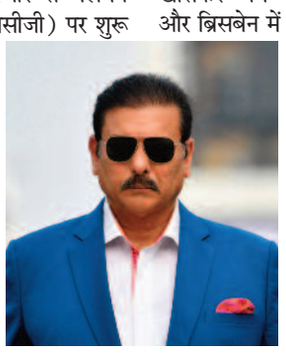

पांच मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज़ फिलहाल 1-1 से बराबर है। मुझे लगता है कि यह काफी कमज़ोर रही है। जब आप इस ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप को देखते हैं, तो मुझे बहुत समय हो गया है जब मैंने ऐसा ऑस्ट्रेलियाई लाइन-अप देखा है जिसमें शीर्ष क्रम इतना कमज़ोर हो। भारत ने इसका फ़ायदा उठाया है और आगे भी उठाता रहेगा। शास्त्री ने न्यूज़ड़ॉटकॉमडॉटएयू से कहा, मुझे लगता है कि यह एक शानदार मैच होने वाला है। मुझे लगता है कि भारत इस सीरीज़ को जीत लेगा, जिस तरह से यह सीरीज़ आगे बढ़ रही है। कोई भी विदेशी टीम 1-1 से बराबरी पर हो, खासकर जब मैच पर्थ, एडिलेड और ब्रिसबेन में हो, तो वे इसे जीत लेंगे। बॉक्सिंग डे में 1-1 से बराबरी पर जाना सबसे अच्छी स्थिति है। मैं कहूंगा कि भारत आगे है।

उन्होंने सैम कोंस्टास के बारे में भी अपना दृष्टिकोण साझा किया, जो एमसीजी में अपना टेस्ट डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, पहले तीन मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद नाथन मैकस्वीनी को बाहर कर दिया गया था। युवा कोंस्टास के लिए सबसे बड़ी चुनौती 21 विकेट लेकर मौजूदा सीरीज में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का मुकाबला करना होगा।

कोंस्टास वार्नर के क्लोन नहीं,बल्कि उनके स्वाभाविक उत्तराधिकारी हैं: चैपल

नई दिल्ली,25 दिसम्बर 2024। किशोर बल्लेबाज सैम कोंस्टास भारत के खिलाफ महत्वपूर्ण बॉक्सिंग डे टेस्ट में एमसीजी में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ग्रेग चैपल का मानना है कि यह युवा खिलाड़ी पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर का स्वाभाविक उत्तराधिकारी है, न कि उनका क्लोन।

सैम कोंस्टास बॉक्सिंग डे पर 468वें ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टेस्ट खिलाड़ी बन जाएंगे। 19 वर्षीय खिलाड़ी 2011 में 18 वर्षीय पैट कमिंस के पदार्पण के बाद बैगी ग्रीन में खेलने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन जाएंगे।चैपल ने द एज के लिए अपने कॉलम में लिखा, केवल 19 वर्ष की उम्र में, कोंस्टास इतिहास के शिखर पर हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के लिए टेस्ट में बल्लेबाजी की शुरुआत करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी होंगे। बॉक्सिंग डे पर उनका पदार्पण रोमांचक और चुनौतीपूर्ण दोनों है। कोंस्टास के पास शानदार रन बनाने और तेजी से अनुकूलन करने का स्वभाव और क्षमता है।

कोंस्टास को सलामी बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी की जगह शामिल किया गया है, जिनके स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के चयनकर्ताओं द्वारा गाबा में ड्रॉ हुए तीसरे टेस्ट के दौरान दो एकल अंकों के स्कोर के बाद काफी बहस हो रही थी।

उन्होंने कहा, मेरा हमेशा से मानना रहा है कि चयनकर्ताओं का काम चैंपियन को तलाशना है, न कि उन खिलाड़ियों को चुनना जो नंबर बनाते हैं। अगर आप सही खिलाड़ी चुनते हैं, भले ही आपको भविष्य में किसी समय उन्हें बाहर करना पड़े, तो वे इस बात पर विचार करेंगे कि उन्हें किस तरह के सुधार की जरूरत है और वे मजबूत होकर वापसी करेंगे।

मेरी मां मेरे पहले वनडे शतक पर कितनी खुश होंगी

नई दिल्ली,25 दिसम्बर 2024। भारत की बल्लेबाज हरलीन देओल,जिन्होंने वेस्टइंडीज पर 115 रनों की जीत में अपना पहला वनडे शतक बनाया, ने कहा कि वह सोच रही थी कि उनकी मां उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पहली बार शतक बनाते हुए देखकर कितनी खुश होंगी। वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में, हरलीन ने 103 गेंदों पर 115 रन बनाए, जिसमें 16 चौके शामिल थे, जिससे भारत ने 358/5 का स्कोर बनाया, जो महिला वनडे में उनका संयुक्त उच्चतम स्कोर है। उन्होंने 62 गेंदों पर अपना अर्धशतक बनाया, और फिर तेजी से आगे बढ़ते हुए 98 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया।मेरी मां हमेशा यही कहती रहती है कि भगवान उन्हें खुशियां देते हैं जो उन्हें बांटते हैं। जो लोग उन्हें बांटते नहीं, भगवान कहते हैं कि वे उन्हें बांट नहीं रहे हैं, क्योंकि वे इतनी छोटी सी खुशी से खुश नहीं होंगे। यह भगवान की योजना है। आपको बस इस पर विश्वास करते रहना है। उन पर भरोसा करते रहना है। बस यही एक बात है।

बॉक्सिंग डे टेस्ट नहीं खेलेगा राशिद खान

टीम को लगा बड़ा झटका,भरपाई मुश्किल

नई दिल्ली,25 दिसम्बर 2024। पूरी दुनिया में क्रिसमस की धूम है लेकिन क्रिसमस के ठीक एक दिन बाद यानी 26 दिसंबर से क्रिकेट के फैंस के लिए जैसे महोत्सव शुरु हो रहा है। बॉक्सिंग डे पर एक नहीं, दो नहीं बल्कि 3 टेस्ट शुरु हो रहे हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर सीरीज का चौथा टेस्ट मेलबर्न में शुरु हो रहा है। वहीं साउथ अफ्रीका और पाकिस्तान की टीम भी सेंचूरियन में भिड़ेगी. तीसरा टेस्ट जिंबाब्वे और अफगानिस्तान के बुलावायो में खेला जाएगा। इस टेस्ट से एक दिग्गज खिलाड़ी बाहर हो गया है।

जिंबाब्वे और अफगानिस्तान के बीच होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट से अफगानिस्तान के स्टार खिलाड़ी राशिद खान बाहर हो गए हैं। अफगानिस्तान के लिए ये एक बहुत बड़ा झटका है। राशिद जितने अच्छे स्पिनर हैं उतने ही अच्छे निचले क्रम के बल्लेबाज हैं। इसलिए उनका टीम से बाहर होना अफगानिस्तान के लिए झटका है और टीम के लिए इसकी भरपाई मुश्किल है।

शाहिद कपूर की फिल्म देवा निर्धारित समय से पहले सिनेमाघरों में दस्तक देगी

एक्शन और थ्रिलर से भरपूर शाहिद कपूर स्टारर देवा मच अवेटेड फिल्मों में से एक है. इस मूवी की रिलीज डेट में लगातार बदलाव हो रहा है। पहले ये एक्शन थ्रिलर 14 फरवरी,2025 को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब मेकर्स ने इसे तय तारीख से पहले रिलीज करने का फैसला किया है। मेकर्स ने पोस्टर जारी कर देवा की नई रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। ज़ी स्टूडियोज़ ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पेज पर थ्रिलर देवा की नई रिलीज की तारीफ जारी की है। बता दें कि ये फिल्म अब 31 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। पोस्टर के साथ कैप्शन में लिखा गया है, धैर्य से बैठे रहिए, क्योंकि इंतजार अब और छोटा हो गया है! देवा आपकी सोच से भी जल्दी आपके पास आ रही है-31 जनवरी, 2025 ! हाईप रियल है, एनर्जी रूफ के जरिये है और हम उम्मीद से पहले इस एक्शन से भरपूर थ्रिलर को आपके सामने लाने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं।अपने कैलेंडर पर मार्क कर लें और एक ऐसे दिल छू लेने वाले एक्सपीरियंस के लिए तैयार हो जाएं जिसे आप नहीं भूलेंगे.बता दें कि देवा' मलयालम के जाने-माने डायरेक्टर रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित है और इसे ज़ी स्टूडियोज़ और सिद्धार्थ रॉय कपूर ने प्रोड्यूस किया है. यह फिल्म लगभग एक साल बाद शाहिद कपूर की बड़े पर्दे पर वापसी का मौका है। फिल्म में उनके साथ पूजा हेगड़े और पावेल गुलाटी भी नजर आएंगे।बता दें विक्की कौशल की अपकमिंग फिल्म छावा की रिलीज डेट भी अनाउंस कर दी गई है। ये फिल्म पहले 6 दिसंबर को रिलीज होनी थी लेकिन फिर पुष्पा 2 के चलते इसकी रिलीज डेट बदल दी गई और अब ये 14 फरवरी 2025 को रिलीज होगी. वहीं 14 फरवरी को शाहिद कपूर की देवा सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली थी लेकिन छावा की रिलीज डेट अनाउंस होने के बाद देवा के मेकर्स ने इसे प्रीपोन्ड कर दिया है। जो भी हो शाहिद के फैंस एक्टर की इस फिल्म के जल्ज रिलीज होने को लेकर बेहद एक्साइटेड हैं।

कियारा आडवाणी ने 13 दिनों में फिल्माया अपकमिंग फिल्म गेम चेंजर का गाना

जल्द ही अपकमिंग फिल्म गेम चेंजर में दिखाई देने वाली अभिनेत्री कियारा आडवाणी ने हाल ही में खुलासा किया है कि उन्होंने पहली बार 13 दिनों के लंबे शेड्यूल में एक गाने की शूटिंग की है।सोमवार को अभिनेत्री कबीर सिंह ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी अपकमिंग फिल्म गेम चेंजर के गाने धोप' के लिए रिहर्सल करते हुए एक वीडियो पोस्ट किया। कैप्शन में, कियारा ने खुलासा किया कि यह पहली बार था, जब उन्होंने 13 दिनों तक एक फिल्म के गाने को ऐसे सेट पर फिल्माया, जो डिज्नीलैंड जैसा महसूस हुआ।क्लिप शेयर करते हुए आडवाणी ने लिखा, गेम चेंजर के पहले शेड्यूल के लिए रिहर्सल के पहले दिन की एक झलक। हमने फिल्म की शुरुआत खूबसूरती से तैयार किए गए गाने धोप' की शूटिंग के साथ की।अभिनेत्री ने कहा, यह पहली बार था जब मैंने 13 दिनों तक एक फिल्म के गाने की शूटिंग ऐसे सेट पर की, जिसने मुझे ऐसा महसूस कराया कि मैं डिज्नीलैंड में हूं। मैं सोच रही थी कि हम यह कैसे करने जा रहे हैं, लेकिन यही हमारे काम की खूबसूरती है कि हम हमेशा कुछ नया सीखते हैं।गेम चेंजर में चरण ने दोहरी भूमिका निभाई है, जिसमें कियारा, अंजलि, एसजे सूर्या, श्रीकांत और समुथिरकानी जैसे शानदार कलाकार शामिल हैं। यह फिल्म 10 जनवरी, 2025 को तेलुगु, तमिल और हिंदी में रिलीज होने वाली है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर मुख्यमंत्री साय ने किया स्मरण

रायपुर,25 दिसम्बर 2024(ए)। देश आज पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को सुशासन दिवस के तौर पर मना रहा है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के अर्वति विहार चौक पहुंचकर पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती सुशासन दिवस के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पुण्य स्मरण किया। करने वाले महान राजनेता थे। अटल जी का नेतृत्व, दूरदृष्टि और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी नीतियों और विचारों ने भारत को एक नई दिशा दी।

निकाय और पंचायत चुनाव तक तबादलों पर रोक

कभी भी लागू हो सकती है अधिसूचना

रायपुर,25 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय एवं पंचायत चुनाव के लिए राज्य निर्वाच आयोग ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। राज्य के 33 जिला पंचायतों के अध्यक्ष पदों के लिए आरक्षण 30 दिसम्बर को ठाकुर प्यारेलाल पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान निमोरा में की जाएगी। नगरीय निकाय चुनाव के लिए भी आरक्षण रोस्टर निर्धारित किए जा चुके हैं। इसी बीच सामान्य प्रशासन विभाग ने आगामी निकाय और पंचायत चुनाव के लिए आचार संहिता से संबंधित गाइड लाइन जारी किया है। मुख्य सचिव के अनुमोदित से जारी गाइड लाइन के मुताबिक तबादलों पर रोक लगा दी गई है।

कैबिनेट विस्तार पर सीएम का बड़ा बयान

- कैबिनेट विस्तार पर सीएम ने साफ कर दी तस्वीर
- अभी नहीं होगा छत्तीसगढ़ में कैबिनेट विस्तार
- सीएम विष्णुदेव साय ने अटकलों पर लगाया विराम
- सीएम ने कहा...अभी और इंतजार कीजिए...

रायपुर,25 दिसम्बर 2024(ए)। छत्तीसगढ़ में संभावित कैबिनेट विस्तार पर अटकलों के दौर को सीएम विष्णुदेव साय ने खत्म कर दिया है। दिल्ली में छत्तीसगढ़ बीजेपी को लेकर हुई अहम बैठक के बाद माना जा रहा था कि नगरीय निकाय चुनाव से पहले राज्य में कैबिनेट का विस्तार हो सकता है। कैबिनेट विस्तार की अटकलों पर सीएम विष्णुदेव साय ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया है। सीएम साय ने कहा- अभी थोड़ा और इंतजार करिए। सीएम के इस बयान के बाद माना जा रहा है कि फिलहाल राज्य में कैबिनेट विस्तार नहीं होगा।

निकाय चुनाव के बाद हो सकता है विस्तार

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव को लेकर तैयारियों शुरू हो गई हैं। राज्य में निकाय चुनावों वार्डों का आरक्षण हो गया है। वहीं, मेयर के लिए आरक्षण 27 दिसंबर को होना है। ऐसे में अब माना जा रहा है कि छत्तीसगढ़ में जनवरी महीने में आचार संहिता लग सकती है जिस कारण से मंत्रिमंडल के विस्तार को आगे बढ़ाया जा सकता है। दूसरी तरफ बीजेपी संगठन के चुनाव भी हो रहे हैं। संगठन चुनाव के शेड्यूल के अनुसार, 30 दिसंबर तक जिला अध्यक्षों की नियुक्ति करना है।

लागू हो सकता है हरिणा फॉर्मूला

विष्णुदेव साय के कैबिनेट विस्तार में हरियणा का फॉर्म्युला लागू होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। अगर यह फॉर्म्यला लागू किया जाता है कि तो राज्य में सीएम समेत 14 मंत्री बन सकेंगे। हालांकि इस संबंध में किसी भी नेता ने कोई ऑफिशियल जानकारी नहीं गी है। इस फॉर्म्युले को लेकर चर्चा हो रही है। हरियाणा में भी छत्तीसगढ़ की तरह 90 विधानसभा सीटे हैं, लेकिन यहां कैबिनेट में सीएम के अलावा 13 मंत्रियों को शामिल किया गया है।

छत्तीसगढ़ में अभी सीएम के अलावा 10 मंत्री हैं। जबकि दो मंत्रियों का पद खाली है। अगर यह फॉर्म्युला लागू होता है कि तो राज्य के तीन और विधायकों को मंत्री बनाया जा सकता है। सीएम साय की कैबिनेट में फिलहाल सीनियर नेताओं की कमी है। बृजमोहन अग्रवाल के इस्तीफे के बाद ज्यादातर नेता ऐसे हैं जो पहली या दूसरी बार विधायक बने हैं। ऐसे में सीनियर नेताओं को शामिल किया जा सकता है।

कैसे तय होता है कितने मंत्री बन सकते हैं

नियमानुसार, प्रदेश में कुल विधानसभा सीटों के 15 प्रतिशत विधायकों को मंत्री पद दिया जा सकता है। छत्तीसगढ़ में 90 विधानसभा सीटें हैं। 90 विधायकों में से 15 फीसदी विधायकों को मंत्री मंत्री बनाया जा सकता है। इस हिसाब से आंकड़ा 13.5 आता है। अब अगर इसे लागू किया जाता है कि तो 3 और मंत्री बनाए जा सकते हैं।

शिक्षा का स्तर ऊंचा रखने 5 वीं और 8 वीं बोर्ड जरूरीः रमन सिंह

बेमेतरा,25 दिसम्बर 2024(ए)। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने नो डिटेंशन पॉलिसी खत्म करने का फैसला किया है। इस पॉलिसी के खत्म होने से अब 5वीं से 8वीं तक के छात्रों को फेल होने पर कोई प्रमोशन नहीं मिलेगा। यानी उन्हें अगली क्लास में प्रमोट नहीं किया जाएगा। उन्हें दोबारा उसी क्लास को पास करना होगा। इस पॉलिसी को खत्म करने का उद्देश्य बच्चों की पढ़ाई के स्तर में सुधार लाना और उनमें सीखने की क्षमता विकसित करना है। नो डिटेंशन पॉलिसी खत्म करने और 5वीं और 8वीं बोर्ड करने को छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने भी जरूरी माना।

5 वीं और 8 वीं बोर्ड बच्चों के लिए बहुत जरूरी

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह मंगलवार को बेमेतरा के एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने 5वीं और 8वीं बोर्ड शुरू करने को सही ठहराया. रमन सिंह ने कहा नई शिक्षा नीति के तहत पांचवी और आठवी बोर्ड करना बहुत जरूरी है. क्योंकि बच्चों को पता ही नहीं होता है कि उनका पढ़ाई का स्तर क्या है. हमने 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12 बोर्ड जरूरी है. इससे पालकों को भी अपने बच्चों का स्तर पता चलेगा.

विधायक पर हमला करने वालों पर हो कार्रवाई

बेमेतरा विधायक दीपेश साहू पर जानलेवा हमले की रमन सिंह ने निंदा की। उन्होंने कहा कि विधायक पर इस तरह का हमला ठीक नहीं है। इस तरह के असामाजिक तत्वों पर पुलिस और प्रशासन निश्चित रूप से कार्रवाई करेगा।

एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल के वार्षिक उत्सव की तारीफ

एकेडमिक वर्ल्ड स्कूल के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने स्कूल के मेधावी छात्र छात्राओं को शील्ड और प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित किया. रमन सिंह ने कहा कि बच्चों ने शानदार कार्यक्रम पेश किया। छत्तीसगढ़ और बाहर के 23 सौ से ज्यादा बच्चों को अनुशासित और व्यवस्थित रखना काफी बड़ी बात है। इसके लिए विधायक भावना बोहरा और स्कूल प्रबंधन को बधाई।

पुलिस भर्ती परीक्षा में हुई गड़बड़ी

- एक्शन में आई पुलिस ने महिला अभ्यर्थी को किया गिरफ्तार

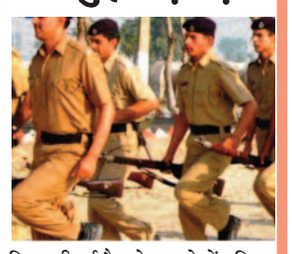

राजनांदगांव,25 दिसम्बर 2024(ए)। पुलिस भर्ती परीक्षा में हुई गड़बड़ी ने जहां जिले में ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में जम कर सुर्खिया बटोरी, तो वही अब पूरे मामले में पुलिस एक्शन मोड पर दिखाई दे रही है। आईजी राजनांदगांव के द्वारा इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया गया है जिसकी कमान मानपुर एएसपी संभाल रहे हैं तो वही अब पूरे मामले में गिरफ्तारी का सिलसिला भी शुरू हो चुका है। जहां पिछले दिनों इस मामले में 6 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी तो वही इस मामले में एक और गिरफ्तारी हुई है। पूरे मामले में पुलिस ने एक महिला अभ्यर्थी को गिरफ्तार किया है। आरोपी मीना पात्रे जो की पंडरिया जिला कवर्धा की रहने वाली है अपनी परिचित पुलिस कर्मी को आर्थिक लाभ पहुंचाने का लालच देकर मामले में संलिप्त पाई गई। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। मामले में विवेचना जारी है अन्य किसी के भी खिलाफ सबूत मिलने पर सख्त कार्यवाही की जाएगी।

मुख्य सूचना आयुक्त की नियुक्ति नहीं होने पर उठ रहे सवाल

रायपुर,25 दिसम्बर 2024 (ए)। सर्वोच्च न्यायालय के 6 साल पुराने एक आदेश ने सूचना आयुक्तों की नियुक्ति को न केवल बेहद पेचीदा और सरकारों को जवाबदेह बना दिया है बल्कि इसमें राजनीतिक नियुक्तियों और सिफारिशों की संभावना भी खत्म सी हो गई है। हालत यह रही है कि छत्तीसगढ़ में इस साल सूचना आयुक्त के दो पदों पर आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अफसरों को भी इसी वजह से मौका नहीं मिल पाया। मुख्य सूचना आयुक्त के पद पर भी सरकार को तीसरी बार आवेदन मंगाना पड़ा है, जिसके लिए आवेदन करने की प्रक्रिया हाल ही में पूरी हुई है। छत्तीसगढ़ के मुख्य सूचना आयुक्त के पद से रिटायर्ड आईएएस एमके राउत नवंबर 2022 से रिटायर हो चुके हैं। उनकी जगह दो साल से खाली है। अब तीसरी बार फिर विज्ञापन निकालकर इस पद के लिए सरकार ने आवेदन मंगाए हैं। 29 नवंबर को जारी विज्ञापन में 16 दिसंबर को आवेदन की अंतिम तिथि रखी गई थी। हालांकि आवेदन करने वालों की सूची सामान्य प्रशासन विभाग की वेबसाइट पर अब तक डाली नहीं गई है। आवेदकों की सूची चयन प्रक्रिया शुरू होने के पहले कभी भी अपलोड की जा सकती है। इस साल 2024 के मार्च माह में दो सूचना आयुक्तों का कार्यकाल खत्म हो गया। नई सरकार ने थोड़ी तत्परता दिखाई और जनवरी में ही इन पदों के लिए आवेदन मंगा लिए। सामान्य प्रशासन विभाग के सूचना का अधिकार प्रकोष्ठ में दर्ज जानकारी के अनुसार सूचना आयुक्त पद के लिए 200 से अधिक लोगों ने आवेदन किया था, जिनमें से 58 ऐसे प्रशासनिक अधिकारी जो या तो सेवानिवृत्त हो गए थे, या बहुत जल्द होने वाले थे। इनमें आईएएस डॉ. संजय अलंग, उमेश कुमार अग्रवाल, आईपीएस संजय पिल्ले, आईएफएस आशीष कुमार भट्ट जैसे नाम भी शामिल हैं। चयन समिति ने इनके मुकाबले आलोक चंद्रवंशी और नरेंद्र कुमार शुक्ला का नाम फाइनल किया और उनको नियुक्ति दी गई। इनमें शुक्ला सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं, पर उनकी नियुक्ति की वजह यह थी कि उनका बायोडाटा सुप्रीम कोर्ट के मापदंडों के सबसे करीब था।

हाईकोर्ट ने युवती को गर्भपात कराने की दी अनुमति

रायपुर,25 दिसम्बर 2024 (ए)। छत्तीसगढ़ में रेप पीड़ित प्रेग्नेंट युवती के लिए शीतकालीन अवकाश के दौरान हाईकोर्ट ने विशेष कोर्ट का गठन कर मामले की सुनवाई की। जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बिलासपुर कलेक्टर को मेडिकल बोर्ड गठित कर विशेषज्ञ डॉक्टरों से उसका मेडिकल कराने और 26 दिसंबर तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का आदेश दिया है। दरअसल, दुष्कर्म की शिकार युवती प्रेग्नेंट हो गई है। वह समाज में बिन ब्याही मां बनने के दर्द से छुटकारा पाना चाह रही है। बताया जा रहा है कि युवती ने इसके लिए डॉक्टरों से भी राय ली। लेकिन, उन्होंने मेडिको लीगल केस बताकर अबॉर्शन करने से इंकार कर दिया। इससे परेशान होकर उसने हाईकोर्ट की शरण ली है। 23 दिसंबर को युवती ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अबॉर्शन कराने की अनुमति मांगी है। इसमें बताया कि वो 21-22 सप्ताह के गर्भ को नहीं रखना चाह रही है। हाईकोर्ट में युवती ने स्वयं गर्भपात के लिए सहमति दी है और चिकित्सीय गर्भपात की अनुमति के लिए शपथ-पत्र भी प्रस्तुत किया है। इस मामले में हाईकोर्ट ने गंभीरता दिखाई है। शीतकालीन अवकाश के दिन चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने विशेष कोर्ट का गठन कर जस्टिस रविंद्र कुमार अग्रवाल को केस की सुनवाई करने कहा।

महापौर प्रत्याशियों के खर्च को लेकर अधिसूचना जारी

आबादी के मुताबिक तय की गई है खर्च की सीमा

रायपुर,25 दिसम्बर 2024 (ए)। प्रदेश में नगरीय निकाय व पंचायत चुनाव की तैयारी है। राज्य निर्वाचन आयोग आचार संहिता का ऐलान जल्द ही करने वाला है। इसी कड़ी में महापौर और अध्यक्षों के निर्वाचन के लिये खर्च की सीमा तय की दी गयी है। इस संबंध में जारी अधिसूचना के मुताबिक पांच लाख तक की आबादी वाले निगम के महापौर प्रत्याशी के लिए 25 लाख, तीन से पांच लाख आबादी वाले निगम के लिए 20 और तीन लाख से कम वाले निगम के महापौर प्रत्याशी 15 लाख रूपए खर्च कर सकेंगे। मंगलवार को प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार 50 हजार या अधिक वाले पालिका के अध्यक्ष का प्रत्याशी 10 लाख और कम आबादी वाले 8लाख खर्च कर सकेंगे। इसी तरह से 50हजार आबादी वाले नगर पंचायत अध्यक्ष के लिए व्यय सीमा 8 लाख होगी।

नक्सली कमांडर ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा,25 दिसम्बर 2024 (ए)। बस्तर संभाग, खासकर दंतेवाड़ा जिले में, नक्सलवाद के खिलाफ पुलिस और सुरक्षा बलों ने निर्णायक संघर्ष किया है। 2024 में इस युद्ध में सुरक्षाबल माओवादियों पर पूरी तरह हावी रहे हैं। इस दौरान कई नक्सलियों के एनकाउंटर हुए, गिरफ्तारियां की गईं, और कई माओवादियों ने स्वयं सामने आकर हथियार डाले। इसी कड़ी में, एक माओवादी नेता सुधरू कश्यप ने दंतेवाड़ा के एसपी के सामने आत्मसमर्पण किया। सुधरू कश्यप पर पुलिस ने 8 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)